प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

मूर्खों से तारीफ़ सुनने से बेहतर है बुद्धिमान की डांट सुनना।
चाणक्य

वर्ष-05, अंक - 06 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 10 नवम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने कहा, देश को और चाहिए 10-20 हजार अम्बानी - अडानी

नई दिल्ली।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने देश में निजी सेक्टर के विकास को ग्रोथ के लिए जरूरी बताया है। जी-20 देशों की एक मीटिंग में उन्होंने कहा कि, हमें देश के विकास के लिए एक अंबानी और एक अडानी नहीं बल्कि 10 हजार अंबानी और 20 हजार अडानी चाहिए। उन्होंने कहा कि, बिना समृद्धि के भारत आगे नहीं बढ़ सकता है। अगले तीन से 4 दशक तक भारत को 9 से 10 फीसदी की गति से प्रगति करने की जरूरत है। बिना निजी सेक्टर के भारत तरक्की नहीं कर सकता है। भारत चाहता है कि निजी सेक्टर ग्रोथ करे और समृद्धि हासिल करे। हमें एक अंबानी या एक अडानी की जरूरत नहीं है। हम चाहते हैं कि देश में 10 हजार अंबानी हों और 20 हजार अडानी हों।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने जी-20 की मीटिंग में कहा कि, यह देशों का ही संगठन नहीं है बल्कि कारोबारी संगठन भी कहा जा सकता है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने साफ कहा कि, निजी सेक्टर की प्रगति के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता। जी-20 देशों के कारोबारियों को संबोधित करते हुए भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि, हम लोगों को अवसरों का लाभ लेना होगा। अपने-अपने सेक्टर में विस्तार करना होगा। यह ऐसा अवसर है, जो हम लोगों को दोबारा हासिल नहीं होगा। अमिताभ कांत ने इस दौरान विकास की राह में भारत की चुनौतियों का भी जिक्र किया।

अमिताभ कांत ने कहा, भारत को यदि तीन दशकों तक 9 से 10 फीसदी की ग्रोथ हासिल करनी है तो फिर आपको 30 से 40 फीसदी की दर से हर वर्ष ग्रोथ करनी होगी। यह भारत के लिए एक चुनौती है। यदि निजी सेक्टर विकास नहीं कर पाता तो हम मानते हैं कि यह संगठन अकेले सरकारों का नहीं है। यदि आप लोग विकास नहीं करते और समृद्ध नहीं होते हैं तो फिर भारत की ग्रोथ नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि, वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। हमारा कोई भी ऐक्शन भविष्य में अवसर में तब्दील हो सकता है।

मेरी बातों से ज्यादा मेरा काम बोलेगा- चीफ जस्टिस चंद्रचूड़

नई दिल्ली।

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मीडिया को दिए अपने पहले बयान में, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आम नागरिक की सेवा करना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने रजिस्ट्री और न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि, मेरी बातों से ज्यादा मेरा काम बोलेगा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, राष्ट्र की सेवा करना मेरी प्राथमिकता है। हम भारत के सभी नागरिकों की रक्षा करेंगे, चाहे वह टेक्नोलॉजी या रजिस्ट्री सुधारों, या न्यायिक सुधारों से जुड़े मामले में हो।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ अयोध्या विवाद, निजता का अधिकार जैसे अहम मुकदमों में फैसले देने वाली पीठ का हिस्सा रहे हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ देश में सबसे लंबे समय तक सीजेआई रहे न्यायमूर्ति वाईवी चंद्रचूड़ के बेटे हैं। उनके पिता 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक भारतीय न्यायपालिका के प्रधान रहे थे। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सात दशक से अधिक लंबे इतिहास में यह पहला मौका है जब एक पूर्व प्रधान न्यायाधीश के बेटे इस पद पर आसीन हुए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 तक दो वर्ष के लिए इस पद पर रहेंगे। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। उन्होंने न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित का स्थान लिया जिन्होंने 11 अक्टूबर को उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाए जाने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति ने उन्हें 17 अक्टूबर को अगला सीजेआई नियुक्त किया था। न्यायमूर्ति ललित का कार्यकाल आठ नवंबर को पूरा हो गया, वह केवल 74 दिन के लिए इस पद पर रहे।

संजय राउत की रिहाई पर शिवसेना ने मनाया सेलिब्रेशन

मुम्बई।

राज्यसभा सांसद संजय राउत को पात्रा चॉल स्कैम मामले में जमानत मिलने के बाद उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना में उत्साह का माहौल बन गया। अदालत का फैसला आते ही उद्धव ठाकरे ने संजय राउत को फोन कर शुभकामनाएं दीं और मिलने की बात कही। संजय राउत क्योंकि हिरासत में थे, इसलिए उनसे सीधे उद्धव बात नहीं कर पाए। लेकिन संजय राउत तक उनका संदेश पहुंचा और जवाब में राज्यसभा सांसद ने शुक्रिया कहा। बुधवार को ही उन्हें स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने जमानत दी और ईडी की ओर से बेल पर रोक की मांग को खारिज कर दिया है।

संजय राउत को जमानत मिलते ही पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया। संजय सावंत नाम के शिवसेना पदाधिकारी को मातोश्री का फोन आया। ठाकरे ने संजय राउत तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन क्योंकि उस समय राउत हिरासत में थे, इसलिए वे सीधे बात नहीं कर सकते थे। उद्धव ठाकरे ने कहा, संजय को बधाई, मैं उनसे जल्द मिलूंगा। इस पर संजय राउत ने भी जवाब देते हुए शुक्रिया कहा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने आखिरकार शिवसेना सांसद संजय राउत को जमानत दे दी है। संजय राउत पर गोरेगांव में पात्रा चॉल (सिद्धार्थ नगर) पुनर्विकास परियोजना में प्रवीण राउत से जुड़े एक घोटाले में शामिल होने का आरोप था।

बुक हुआ डीजे

ईडी द्वारा इसी मामले में गिरफ्तारी की कार्रवाई के बाद से वह पिछले 102 दिनों से जेल में थे। हालांकि बुधवार को कोर्ट से जमानत मिलने से राउत को बड़ी राहत मिली है। संजय राउत को जमानत मिलने को शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी त्योहार की तरह मना रही है। शिवसैनिकों में खुशी का माहौल है। संजय राउत के भांडुप स्थित 'मैत्री' आवास पर एक डीजे को बुक किया गया है। संजय राउत के बंगले दशहरे और दिवाली का त्योहार फीका था, लेकिन अब जमानत मिलने पर यहां त्योहारी माहौल दिख रहा है।

हाथ में दर्द का यूट्यूब से लिया ईलाज, घंटेभर में हो गई मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर विजय नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने हाथों में दर्द का इलाज यूट्यूब पर खोजा जिसमें जंगली लौकी का जूस पीने से हाथों का दर्द खत्म होने की जानकारी आई। युवक ने पहले जंगली फल लाया और उसे पीने के बाद उसकी हालत नाजुक हो गई परिवार द्वारा उसे निजी अस्पताल ले जाया गया जहां युवक की मौत हो गई।

इलाज के बाद नही मिला आराम

अस्पताल में मौजूद परिजन मनीष द्वारा बताया गया कि, मृतक का नाम धर्मेंद्र कोरोले 30 वर्ष है। धर्मेंद्र ड्राइवरी का काम करता था। उसका कुछ समय पहले गाड़ी चलाते वक्त एक्सीडेंट हो गया था जिससे उसके हाथों में दर्द बना रहता था। मृतक का हाथों का दर्द असहनीय था इस कारण से वह लगातार कई डॉक्टरों से दवा करवा चुका था। इलाज के बाद भी उसको आराम नहीं हुआ।

यूट्यूब पर किया था सर्च

मंगलवार को धर्मेंद्र ने यूट्यूब पर लगातार हाथ दर्द के लिए दवाएं सर्च कर रहा था। जिसमें यूट्यूब के माध्यम से उसे पता चला कि, जंगली लौकी का जूस पीने से यह दर्द खत्म हो जाता है वही धर्मेंद्र कहीं से यह लौकी लेकर आया और उसका जूस बनाकर पी लिया लेकिन धर्मेंद्र की अचानक तबीयत खराब हो गई। वह उल्टी करने लगा जिसके बाद परिवार के लोग उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले ले गआ। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिवार के इस बयान के बाद पुलिस अभी जांच कर रही है और धर्मेंद्र का मोबाइल पुलिस ने जांच में लिया है।

दुबई में बैठे मंत्री के घर में पड़ी ईडी की रेड

हैदराबाद, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तेलंगाना राष्ट्र समिति के एक मंत्री से जुड़ी संपत्तियों की तलाशी ले रही है। ईडी अधिकारी कथित अवैध खनन मामले में शामिल एक ग्रेनाइट कंपनी के सिलसिले में छापेमारी कर रहे हैं। तेलंगाना के मंत्री गंगुला कमलाकर के करीमनगर स्थित आवास पर ये छापेमारी की गई। मंत्री गंगुला कमलाकर अपने परिवार के साथ इस समय दुबई में हैं। कमलाकर पिछड़ा वर्ग कल्याण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हैं। वे करीमनगर निर्वाचन क्षेत्र से टीआरएस विधायक हैं।

सत्ताधारी पार्टी के मंत्री के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई भाजपा और तेलंगाना राष्ट्र समिति में नए टकराव को जन्म दे सकती है। ईडी की छापेमारी ऐसे समय में हो रही है जब हाल ही में सत्ताधारी पार्टी ने मुनुगोड़े में उपचुनाव जीता था। भाजपा उम्मीदवार, कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी चुनाव हार गए थे। रेड्डी के परिवार के पास एक बड़ी खनन कंपनी है।

केसीआर की पार्टी और भाजपा के बीच इस आरोप को लेकर भी जंग चल रही है कि, केंद्र में सत्ताधारी दल ने टीआरएस के चार विधायकों को पक्ष बदलने के लिए रिश्वत देने की कोशिश की थी। तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने सोमवार को अपना नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) करने के बारे में एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव जिले की राजनीति पर कितना डालेंगे प्रभाव

मध्यप्रदेश में 2023 में होना है विधानसभा चुनाव

माही की गूंज, झाबुआ।

पड़ोसी राज्य गुजरात में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित हो चुका है। चूंकि जिला पश्चिमी मध्यप्रदेश का आदिवासी बाहुल जिला है और यह गुजरात की सीमा से लगा हुआ है, तो यह माना जा रहा है कि, गुजरात में हो रहे विधानसभा चुनाव जिले की राजनीति में भी हलचल पैदा करेंगे या यूं कहें कि, मध्यप्रदेश में आने वाले महीनों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों का माहौल गर्मा देंगे। गुजरात विधानसभा चुनावों के परिणाम जो भी हो लेकिन इसका पूरा-पूरा असर मध्यप्रदेश के इस आदिवासी बाहुल क्षेत्र में देखने को जरूर मिलेगा। वैसे भी जिले की सीमा से सटी गुजरात की विधानसभा सीटों पर झाबुआ- अलिराजपुर जिले की राजनीति का खासा हैर-फैर देखने को मिलता है। जिले के कई नेताओं को गुजरात की इन सीमावर्ती विधानसभाओं में चुनावी जिम्मेदारियां पार्टियां लंबे समय से सौंपती आई है। इसके खासे परिणाम भी राजनीतिक समीकरणों में देखने को मिलते रहे है। अब चूंकि गुजरात विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है तो सीमावर्ती जिले में भी राजनीतिक हलचल यकायक बढ़ चुकी है। निर्वाचन विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार गुजरात विधानसभा के चुनावा दो चरणों में सम्पन्न होंगे। पहले चरण का मतदान 1 दिसम्बर को होगा तो वहीं दूसरे चरण का मतदान 5 दिसम्बर को होगा। 1 और 5 दिसम्बर को एवीएम में कैद हुआ प्रत्याशियों के भविष्य का पिटारा 8 दिसम्बर को खुलेगा। मतलब परिणामों की घोषणा 8 दिसम्बर को हो जाएगी। गुजरात विधानसभा के परिणाम आते ही इस सारी प्रक्रिया के बीच झाबुआ-अलीराजपुर जिले की राजनीति में भी उबाल आ जाएगा। चूंकि मध्यप्रदेश में भी महज कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनाव होना है। हालांकि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों को अभी समय है लेकिन यह समय एक वर्ष से भी कम यानि लगभग 10 से 11 महीनें का ही है और इसी के चलते जिले की विधानसभाओं में भी दावेदार सक्रिय होते दिखाई पड़ रहे है। दावेदारों की यह सक्रियता अभी शुरूआती दौर में है लेकिन गुजरात विधानसभा के परिणामों के बाद इसमें तेजी देखने को मिल सकती है। जिले की तीनों विधानसभाओं में दोनों ही पार्टियों से कई दावेदारों के चेहरे सामने आते जा रहे है। लेकिन इन सभी का भविष्य पार्टियों की घोषणाओं पर निर्भर करेगा। क्योंकि अभी हर दोवदार अपने आपको किसी ना किसी पार्टी से जुड़ा हुआ बता रहा है। पड़ोसी राज्य गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों के परिणाम इन जिले की राजनीति की दशा व दिशा तय करेंगे। गुजरात के परिणामों से कई तरह की उथल-पुथल जिले की राजनीति में देखने को मिलेगी। हालांकि अभी परिणाम भविष्य के गर्त में है। जिले की तीनों विधानसभाओं में दोनों ही पार्टियों से कई कद्दावर नेता मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में अपनी दावेदारी कर रहे है। कई चेहरे अभी से सामने दिखाई पड़ रहे है तो कई समय के साथ गर्त से निकलकर सामने आएंगे। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से हलचल तेज हो चुकी है। हर दावेदार नेता अपने अच्छे कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के बीच पहुंचाने में लगा है तो कई अपने मैदान में होने का एहसास जनता को कराने का प्रयास कर रहा है। इन्ही के साथ इलेक्ट्रानिक मीडिया और यूट्यूबरों ने अपने-अपने विशलेषण जनता के बीच रखने शुरू कर दिए है। हालांकि इन विश्लेषणों की हकीकत कितनी है यह जानने के लिए लंबे समय का इंतजार जनता के पास है। राजनीतिक खेमों में भी हलचल है, लेकिन यह हलचल फिलहाल गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर है। मगर समय का पहियां लगातार अपनी रफ्तार से चल रहा है और वह समय भी जल्द ही आ जाएगा जब मध्यप्रदेश विधानसभा को लेकर झाबुआ-अलीराजपुर जिले में भी राजनीतिक हलचल देखते ही देखते बढ़ जाएगी। मगर इन सभी के बीच यहा की विधानसभाओं में चुनावों को लेकर दावेदार अपनी सक्रियता दर्शाने में जुट चुके है। जनता को रिझाने की कवायदें शुरू हो चुकी है। इसके लिए इन दिनों मुख्य जरिया सोशल मीडिया प्लेट फार्म ही बना हुआ है। दावेदार अपने तरह-तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे है। सोशल मीडिया पर बढ़ी यह हलचल जनता को भी इस बात का एहसास करा रहे है कि, जल्द ही चुनाव आने वाला है। हालांकि जनता का इतनी जल्दी मूड भांप पाना मुश्किल ही नहीं ना मुमकिन है। यह भी हो सकता है कि, गुजरात विधानसभा के आने वाले परिणाम जिले की जनता का मूड तय कर दे। वैसे प्रदेश की राजनीति में जनता के पास तीसरा विकल्प अब भी दिखाई नहीं पड़ रहा लेकिन गुजरात में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में गुजरात की जनता को तीसरा विकल्प मिलता दिखाई पड़ रहा है। इस बार गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर रही है। हालांकि पिछले 27 वर्षो से बीजेपी का गुजरात पर कब्जा रहा है। कांग्रेस गुजरात में काफी समय से बैकफुट पर नजर आ रही है। मीडिया विश्लेषकों के अनुसार गुजरात में कांग्रेस अब भी कमजोर दिखाई पड़ रही है तो बीजेपी अपने पिछले 27 वर्षो के कार्यकाल के साथ मजबूत स्थिति में ताल ठोक रही है। मगर यहां एक संशय आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए पैदा कर दिया है। आम आदमी पार्टी गुजरात में पूरी ताकत से अपना प्रचार कर रही है। जनता के सामने दिल्ली और पंजाब को मॉडल बनाता जा रहा है। कुल मिलाकर आम आदमी पार्टी पूरी ताकत के साथ बीजेपी से लोहा लेती दिखाई दे रही है। परिणाम भविष्य के गर्त में है जो 8 दिसम्बर को सामने आएंगे।

गुजरात विधानसभा चुनावों को परिणाम जो भी हो, लेकिन यह तय है कि, यह परिणाम पश्चिमी मध्यप्रदेश के सीमावर्ती आदिवासी बाहुल क्षेत्र की विधानसभाओं पर काफी असर डालेंगे। गुजरात विधानसभा के परिणाम जिले में पार्टियों की रूप रेखा तय करेंगे और दावेदारों के चुनाव लडने का भविष्य भी तय करेंगें। हालांकि जिले की विधानसभाओं में कांग्रेस की तरफ से गिने चुने चेहरे सामने है तो वहीं भाजपा में विधानसभा प्रत्याशी के दावेदारों की भरमार है। यह भी तय है कि झाबुआ-अलीराजपुर की विधानसभाओं में कांग्रेस की तरफ से दिग्गजों की चलेगी। तो भाजपा यहां अब भी टुकड़ों में ही बंटी दिखाई पड़ रही है। हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनावों में यह साफ तौर पर गुटबाजी का शिकार होते हुए दिखाई भी दी है। खुले तौर पर यहा भाजपा के कई धड़े दिखाई पड़ रहे है। खैर जो भी हो लेकिन समय ही बताएगा कि, मध्यप्रदेश में आगामी महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों में कौन सी पार्टी किस रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी। फिलहाल सबकी नजरें गुजरात विधानसभा के परिणामों पर टीकी हुई है।

राजधानी में खत्म होगा ब्लैक आउट

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 40 से ज्यादा इलाकों की स्ट्रीट लाइट काफी समय से बंद है। भोपाल में ब्लैक आउट के सिलसिले को लेकर बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कलेक्टर, कमिश्नर, बिजली विभाग और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। यहां मंत्री ने अफसरों को दो टूक कहा कि, तत्काल बिजली और पानी का सप्लाई शुरू करें।

भोपाल नगर निगम ने बीते दो महीने से बिजली कंपनी को स्ट्रीट लाइट का बिल नहीं भरा है। 28 करोड़ रुपये के बिल का भुकतान अभी बाकी है जिसमें से सिर्फ 2 करोड़ रुपए ही जमा कराए हैं। इसके चलते ही कंपनी ने 29 अक्टूबर से स्ट्रीट लाइटों के कनेक्शन काटने शुरू किए थे। और अब इस मुद्दे पर प्रभारी मंत्री सिंह को सामने आना पड़ा। उन्होंने बुधवार दोपहर में उन्होंने दोनों विभागों के अफसरों को तलब किया।

दरअसल, नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि, अब सारे स्ट्रीट लाइट शुरू हो जाएंगे। विद्युत मंडल, नगर निगम कमिश्नर और कलेक्टर के साथ बैठक की गई। आगे ऐसी परिस्थिति उत्पन्न ना हो इसके निर्देश दिए गए हैं। कोई भी परेशानी हो उसे कलेक्टर के संज्ञान में लाया जाए। दोनों ही विभागों के बीच में गलतफहमी हुई थी जो अब ठीक हो गई है।

जानकारी अनुसार बिजली कंपनी ने उन इलाकों की स्ट्रीट लाइटें भी बंद कर दी, जहां से मुख्यमंत्री, मंत्री, सीनियर आईएएस अफसरों का आना-जाना होता है। इनमें वीआईपी रोड, भोज सेतु, कमला पार्क, पॉलीटेक्निक चौराहा एवं आसपास के एरिये शामिल हैं। इसे लेकर भी प्रभारी मंत्री ने अपनी नाराजगी जताई। वहीं इस मामले में बिजली कंपनी के अफसरों ने बताया कि, निगम ने दो महीने से बिल नहीं भरा है। बिल की राशि 28 करोड़ रुपए होती है। जिसके बदले सिर्फ 2 करोड़ ही जमा कराए गए। आए इतनी कम राशि जमा होने से स्ट्रीट लाइटों के कनेक्शन जोड़े जाना संभव नहीं है।

पंचायत, जनपद और अधिकारियों की निष्क्रियता से नहीं हो पा रहा कचरा संग्रहण वाहन का उपयोग

स्वच्छता अभियान को पलीता लगा रही ग्राम पंचायत

माही की गूंज, खवासा/भामल।

प्रदेश सरकार द्वारा चयनित ग्राम पंचायत में सामान्य से अधिक आबादी वाले निवास ग्राम पंचायत में कचरा संग्रहण गीला और सूखा कचरा बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान के तहत टीन सेट लगाकर कचरा संग्रहण के लिए सूखा एवं गीला कचरा इकट्ठा करके अपशिष्ट के रूप में खाद बनाने के लिए शासन द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत चयनित ग्राम पंचायत में इलेक्ट्रिकल वाहन के साथ कचरा संग्रहण करने के लिए एक शेड भी बनाकर शासन द्वारा दिया गया। इसका उपयोग चयनित ग्राम पंचायत में कर स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायत को जिम्मेदारी दी गई पर जिसका ग्राम पंचायतों में इनका सही से पालन नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण इलेक्ट्रिकल वाहन तो अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं। कचरा संग्रहण भी मात्र नाम के बने पड़े हुए है। पंचायत की निष्क्रियता एवं कर वसूली नहीं होने के कारण इसका सही से संचालन नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण स्वच्छ भारत अभियान के तहत शासन की योजना की धज्जियां उड़ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियो को इस और देखने तक की फुर्सत नहीं है।

कुछ ऐसा ही थांदला विकासखंड की ग्राम पंचायत भामल में देखने को मिल रहा है। जहां पूर्व सरपंच व सचिव द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कचरा संग्रहण का एक शेड बनाया गया था, जिसमें सुखा व गीले कचरे का अपशिष्ट करके खाद बनाने का प्रावधान भी रखा गया था। लेकिन भामल पंचायत में नई बॉडी बैठने के बाद भी अभी तक कचरा संग्रहण के लिए इलेक्ट्रिकल वाहन का उपयोग नहीं हो पाया। जिससे शासन के नियमों की धज्जियां तो उड़ रही साथ ही गांव में जगह-जगह गंदगी का भंडार बना हुआ है। गांव की नालियों में कचरा जाम होने पर नाली का गंदा पानी रोड पर निकल रहा है, जिससे ग्रामीणों को बीमारी का भय बना हुआ है। लेकिन नवनिर्वाचित सरपंच प्रतिनिधि एवं सचिव द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे गांव की व्यवस्था पूरी गड़बड़ा गई है।

ग्रामीणो का कहना हैं कि, भामल ग्राम पंचायत में स्वच्छ भारत अभियान के तहत कचरा संग्रहण के साथ ही एक इलेक्ट्रिकल वाहन दिया गया था, इसका सही से संचालन नहीं होने के कारण अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा हैं।

इस संम्बध में जिला सीईओ से जानकारी ली तो कहा ÷मैं जानकारी लेता हूं और जनपद सीओ से चर्चा करके उसके बाद ही कुछ बता पाऊंगा।

जिला समन्वय स्वच्छ भारत अभियान बीएस चौहान ने कहा, आपके द्वारा मुझे बताया गया है, मैं इस मामले को दिखवाता हु, अभी तक शुरू क्यो नहीं हुआ जानकारी लेता हु।

ठेकेदार गोपीचंद ने बताया, कार्य पूर्ण कर दिया है पर कार्य पुर्ण के बाद भी अभी तक मेरा भुगतान बाकी है भुगतान नही होने पर मैंने 181 पर भी शिकायत की है।

सरकार का काम सेवा करना... व्यापार नहीं

माही की गूंज, खवासा। पवन पाटीदार

चुनाव में उम्मीदवार हाथ जोड़कर मतदाताओं से मत याचना करता है और जो उम्मीदवार चुनाव के समय जुझारू, योग्य, कर्मठ, सेवाभावी, ईमानदार, जन-जन का लाडला होता है, वह विजय होने के बाद इन गुणों से परे हो जाता है या यूं कहें कि, वह आम जनता की समस्या से मुंह मोड़ लेता है। कोविड-19 के लाकडाउन में सारी यात्री ट्रेनों के पहिए थम चुके थे जो बाद में धीरे-धीरे चालू हुए हैं। वर्तमान में कोविड-19 के सारे प्रतिबंध सरकार खत्म कर चुकी है, लेकिन भारतीय रेल मंत्रालय ने कोविड-19 के बाद जो यात्री ट्रेनें चालू की थी उन्हें विशेष नाम देकर स्पेशल ट्रेन के बतौर चालू किया था जिसका किराया भी आम आदमी से दुगुना वसूला जा रहा है। जो आज तक कोविड-19 के सारे प्रतिबंध समाप्त होने के बावजूद जारी है। यही नहीं कोविड-काल में बंद की गई जनता एक्सप्रेस जो कि, जिले के निवासियों के लिए बहुत उपयोगी गाड़ी थी उसे यह कहकर बंद कर दिया गया है कि, रेलवे को उससे कोई लाभ नहीं मिल रहा था, जिसको लेकर आम जनता में तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

आम लोगों का कहना है कि, जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर होने के कारण अधिकांश मरीज गुजरात के दाहोद, बड़ौदा और अहमदाबाद तक इलाज के लिए जाते हैं। जनता गाड़ी से व्यक्ति सुबह बड़ौदा जाकर इलाज करवा कर वापस शाम को घर आ सकता था। लेकिन सरकार ने मरीजों की सुविधा छीन ली, जिससे मरीज या तो निजी वाहन से बड़ौदा जाएगा या फिर रात बड़ौदा में रुके। दोनों ही स्थिति में मरीज को न केवल परेशानियों का सामना करना पड़ता है, वरन मरीज के परिजनों पर आर्थिक भार भी ज्यादा आता है। जिलेवासियों को उम्मीद थी कि, क्षेत्रीय सांसद इस दिशा में कोई ठोस पहल करेंगे लेकिन सांसद महोदय ने अब तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया तक व्यक्त नहीं की है।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि, सरकार को जनता ट्रेन से कोई लाभ नहीं हो रहा था तो आम जनता का यही कहना है कि, सरकार सेवा के लिए है या व्यापार करने के लिए...? सरकार का लाभ व्यापार करना नहीं होना चाहिए।

बामनिया स्टेशन पर पुल आवश्यक

जिले के प्रमुख स्टेशनों में शामिल बामनिया रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं की भरमार है। हाल ही में एक वृद्ध दंपति की मौत भी इन्हीं अवस्थाओं के चलते हो चुकी है तथा आए दिन छोटी-मोटी चोटें कई यात्रियों को आ चुकी है। जिसका प्रमुख कारण है बामनिया रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 2 से 3 पर जाने के लिए व प्लेटफार्म नंबर 3 से बाहर खवासा नाके की ओर निकलने के लिए पूल नहीं है जिसके कारण यात्रीगण मजबूरन पटरियां पार करते हुए खवासा नाके की ओर आते हैं जिससे कई यात्री दुर्घटना ग्रस्त हो चुके हैं व एक वृद्ध दंपति की मौत भी हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि, बामनिया रेलवे स्टेशन की विपरीत दिशा खवासा नाका की ओर कई गांव जुड़े हैं और इन गांवों से सैकड़ों यात्री प्रतिदिन ट्रेन से यात्रा करते हैं और स्टेशन पर पहुंचने के लिए पुल न होने से पटरिया पार कर पहुंचते हैं।

यात्रियों की मांग है कि, इस पर अविलंब पुल बनाया जाना चाहिए और कोरोना काल से बंद पड़ी जनता एक्सप्रेस को चालू कर, लोकल ट्रेनों में पुराना किराया बहाल किया जाना चाहिए।

शिविर में हुई 53 सर्जरी

माही की गूंज मेघनगर।

जीवन ज्योति अस्पताल एवं रोटरी क्लब अपना के अथक प्रयासों से यहां पर इलाज एवं ऑपरेशन सर्जरी की जा रही है, जो एक मानव सेवा के लिए सराहनीय कार्य है। यह नर सेवा, नारायण सेवा के समान है यहां पर जर्मनी से आई हुई डॉक्टरों की टीम के द्वारा सफल इलाज एवं सर्जरी की जा रही है। 8 वर्ष के ऋषभ के दोनों हाथों की उंगलिया आपस में चिपकी हुई थी, 2019 में ऋषभ के सीधे हाथ का ऑपरेशन इसी शिविर में सफल रहा था। जिसके बाद अब ऋषभ के बाएं हाथ का 2022 में भी सफल ऑपरेशन हुआ। रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष डॉ हितेन्द्र खतेडिया, सचिव ऋषि रांका, संयोजक भरत मिस्त्री व जीवन ज्योति हॉस्पिटल के डायरेक्टर पीएथॉमस ने बताया कि, 10 दिनों तक चल रहे शिविर में जन्म से कटे होंठ, हाथ के नुक्स, तेजाब अथवा आग से जलने के बाद चमड़ी के दाग, चमड़ी के सफेद दाग एवं शरीर के जोड़ों के असामान्य रूप से जुड़े होने के ऑपरेशन निशुल्क किये गये।

इनके चेहरे पर लौटी खुशी व मिला नया उज्जवल भविष्य

माण्डली के समीप ग्राम बावड़ी में रहने वाली 3 वर्ष की मासूम गुड्डी का 2 वर्ष पूर्व चूल्हे के पास खेलते समय हाथ आग से बुरी तरह झुलस गया था। ऑपरेशन के बाद गुड्डी ने गुड़िया को थाम खुशी जाहिर की। विकास कुशवाह 5 वर्ष पहले जेब में रखे अनार फटाके के अचानक जलने से सीने व बगल पर अनार से निकली आग से बुरी तरह से झुलसने के बाद सीने से हाथ चिपक गया था। विकास के पिता ने बताया कि, 2019 में भी वह इस प्लास्टिक सर्जरी में एक ऑपरेशन करवा चुके हैं अब 2022 में फिर से उन्होंने ऑपरेशन कराया है।

शिल्पा 3 वर्ष पहले चाय उबालते समय हादसे का शिकार हो गई थी। हादसे के बाद डॉक्टरों ने इलाज में लाखों का खर्च बताया था, वह ठीक से पेन-पेन्सिल भी नहीं पकड़ पाती थी अब शिल्पा का ऑपरेशन रोटरी क्लब और जीवन ज्योति में निशुल्क हुआ है अब मेरी बच्ची ने ठीक से पेन-पेंसिल पकड़कर स्कूल पढ़ने जाएगी।

रोटरी क्लब अपना मेघनगर जीवन ज्योति हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ, जर्मनी से आये 10 डॉक्टरों की टीम, जीवन ज्योति के डॉक्टर, जिले व नगर के समाजसेवी, जिला प्रशासन शारदा नर्सिंग कॉलेज, केमिस्ट एसोसिएशन झाबुआ, निजी चिकित्सा संगठन आदि ने निशुल्क ऑपरेशन का लाभ लेने पहुंचे लाभार्थियों को धन्यवाद अर्पित किया।

मेले में बाड़ी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन आज, कल होगा कवि सम्मेलन

माही की गूंज, बामनिया।

नशा मुक्ति की थीम को लेकर ग्राम के युवाओं ने एक पहल की जिसके बाद ग्राम पंचायत ने उक्त पहल पर मेले के दौरान बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। नगर में चल रहे माँ अंबिका मेले के दौरान आज एक बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिंसमे ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र से युवा प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वस्थ शरीर व नशा मुक्त शरीर को लेकर प्रदर्शन करेंगे। ग्राम पंचायत की और से प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बॉडी बिल्डरों को पुरस्कारित किया जायेगा।

कल होगा कवि सम्मेलन, हास्य और व्यंग्य के ठहाको से गूंजेगा मेला

मेले को और भी आकर्षक बनाने के लिए शुक्रवार को अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेल का आयोजन भी किया जा रहा है। जिंसमे हास्य, व्यंग्य और वीर रस सहित कई विधाओं के कवि अपनी प्रस्तुति देंगे। कवि सम्मेल के सूत्रधार एवं सयोंजक कवि प्रवीण अत्रे खरगोन होंगे। उपसरपंच ब्रजभूषण परिहार ने बताया कि, ग्राम वासियों के मनोरंजन के लिए मेले के साथ-साथ अन्य प्रतियोगिता के माध्यम से भी युवाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को काव्य पाठ प्रेमियों के लिए कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिंसमे प्रसिद्ध हास्य कवि जानी बैरागी, गीतकार कुंवर जावेद ,हास्य एवं व्यंग्य कवि गोविंद राठी, वीर रस के गौरव चौहान, हास्य रस के दिनेश देशी घी, गीत गजल की कवयित्री सोनल जैन, हास्य रस के राजेश लोटपोट और वीर रस के कवि दिनेश लोहार अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। सरपंच रामकन्या मखोड ने बताया कि, आयोजन में विशेष रूप से कई अतिथि उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे।

श्री शर्मा बने महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष

माही की गूंज, पेटलावद।

मध्यप्रदेश शासन की ओर से महावीर महाविद्यालय पेटलावद में समीपस्थ ग्राम बामनिया के डॉक्टर विपिन शर्मा को जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है । गौ सेवा में विशेष रुचि रखने वाले विपिन शर्मा को जनभागीदारी अध्यक्ष बनाये जाने की जानकारी मिलने पर ग्राम पंचायत सहित कई संगठनों और साथियों ने उनके निवास पर हार माला पहना कर उनका स्वागत कर बधाई प्रेषित की । विपिन शर्मा ने कहा कि, वो महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के उन्नत भविष्य और छात्र-छात्राओं को शासन की और से मिलने वाली योजनाओं का पूरा लाभ दिलाने का प्रयास करेंगे।

गुरुभक्तों ने दी भावभीनी विदाई

माही की गूंज, थांदला।

रम तीर्थंकर श्रमण भगवान की आज्ञानुसार जैन संत-सतिया वर्षाकाल में सबसे बड़े चातुर्मास कल्प को पूरा कर विहार कर देते है। झाबुआ विराजित प्रवर्तक श्रीजिनेन्द्रमुनिजी आदि ठाणा के कदम जहाँ थांदला की ओर बढ़े वही थांदला विराजित उन्ही के आज्ञानुवर्ती स्वाध्याय प्रेमी पूज्य श्री चन्द्रेशमुनिजी एवं सेवाभावी पूज्य श्री सुयशमुनिजी आदि ठाणा-2 का विहार खवासा की ओर हो गया। गुरुभगवंतों के अथक परिश्रम व पावन प्रेरणा से थांदला श्रीसंघ में ज्ञान दर्शन चारित्र व तप की ऐतिहासिक आराधना हुई। इस बार गुरुभगवंतों के पास बच्चों से लेकर 70 वर्षीय प्रौढ़ श्रावकों ने भी 100 से अधिक थोकड़ों को सिखा वही चातुर्मास के शुरुआत में ही अनेक प्रकार की मर्यादाओं के प्रत्याख्यान ग्रहण कर मासक्षमण हुए। गुरूदेव के उपकारों के बदले अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने अंतिम दो दिवस बेले तप की आराधना की वही अंतिम दिन पौषध दिवस के रूप में मनाते हुए श्रावक वर्ग गुरुदेव के पास रहे वही श्राविकाओं ने भी महिला स्थानक में रहकर पौषध तप की आराधना की।

जागरूकता शिविर में लोगों को बताए अपने अधिकार

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

कानूनी, विधिक जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों का सशक्तिकरण अभियान' की कड़ी में तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मोहदय द्वारा शिविर के माध्यम से नागरिकों को बताया कि, उनके अधिकार क्या हैं। शिविर ग्राम पंचायत सारंगी में प्रातः 11 बजे से शुरू हुआ। ग्राम पंचायत परिसर सारंगी मुख्य वक्ता के रूप में तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मनोहरलाल पाटीदार, अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पेटलावद, विजय डांगी एडीजे इंदौर, व्यवहार कनिष्ठ खंड न्यायाधीश, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग द्वारा अभियान के संबंध में जानकारी दी और विधिक जागरूकता शिविर में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता/सलाह, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नेशनल लोक अदालत, जन उपयोगी सेवाओं की लोक अदालत के साथ ही विधिक सेवा योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश पेटलावद, अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार राठौर, अभिभावक संघ अध्यक्ष विनोद पुरोहित, टीआई राजू सिंग बघेल, चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान, राजस्व विभाग नायब तहसीलदार अंसारी मैडम, गिरदावर देवराम नेहरता, पटवारी लालचंद बवेरिया, सरपंच फुनदी बाई मैंड़ा, उप सरपंच रंजीतसिंह राठौर, सचिव हरिराम भूरिया, अधिवक्ता अविनाश उपाध्याय, रवि राजपुरोहित, जितेंद्र जयसवाल बैरागी पंचायत सारंगी के समस्त ग्राम वासियों सहित अधिवक्तागण, पक्षकारगण उपस्थित थे।

नल-जल योजना में टंकी निर्माण का भुमि पुजन

सरकार ने चार पंचायत में दी करोंड़ों रुपए की सौगात

माही की गूंज ,सारंगी।

ग्राम पंचायत बैगनबर्डी व कसारबर्डी में करोंड़ों रुपए की लागत से बनने वाली प्रधानमंत्री के घर-घर नल, घर-घर जल योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बैगनबर्डी में 1 करोड़ 25 लाख 96 हजार ओर कसारबर्डी ग्राम पंचायत के उनालुपाडां में 2 करोड़ों 24 लाख रुपए के लागत से नल-जल योजना के तहत पानी टंकी निमार्ण का भुमि पुजन किया गया। इस अवसर पर पुर्व राज्य मंत्री निर्मला भुरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, जिला महामंत्री, अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजमेर सिंह भुरिया, जिला मंत्री दुर्गादास राठोर, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, सारंगी मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, पुर्व मंडल अध्यक्ष रमेश भाई गुर्जर, सारंगी सरपंच फुन्दिबाई मैड़ा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गेहलोत, रायपुरीया मंडल अध्यक्ष शांतिलाल मुनिया, अजजा मंडल अध्यक्ष तेजमल सोलंकी, बैगनबर्डी सरपंच सरीता पप्पुलाल गामड़ कसारबर्डी सरपंच पवन डामर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार, मंडल मिडिया प्रभारी सुरेश चन्द्र परिहार, युवा मोर्चा जिला मंत्री पवन गुर्जर, राकेश गामड़, नानुराम सरपंच मठमठ ,कवरलाल डामर, दिलीप डोडियार लोकल्याण विभाग का अमला, देविसिंग निनामा, कवरलाल गणावा, आदि कई भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

घर का भेदी लंका ढाय की तर्ज पर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतो का निराकरण

माही की गूंज, झकनावदा।

जनपद पंचायत पेटलावद के द्वारा मंगलवार को ग्राम पंचायत झकनावदा को रिकार्ड सहित सीएम हेल्पलाइन के निराकरण के लिए तत्कालीन सरपंच बालू मेडा, सचिव भीमसिंग कटारा, एवं विनोद देवदा और मोहन मावी सचिव को उपस्थित होकर इस का निराकरण करने के आदेश लेटर के द्वारा दिये गये थे। दरसल जनपद पंचायत सीईओ राजेश दीक्षित ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतो के निराकरण के लिए एक दल ग्राम पंचायत झकनावदा रवाना किया। जिसमे पंचायत इंस्पेक्टर ज्ञानसिंग चौहान, एसडीओ अलावा, एपीओ संजय सिंगारे, बीपीओ भूरिया, सब इंजीनियर ठाकुर व तत्कालीन सचिव भीमसिंग कटारा के साथ शिकायतो के निराकरण के लिए जिसमे सर्वप्रथम दल ग्रामीण और शिकायतकर्ता के साथ प्रकाश चौहान के घर से मडु के घर तक के रोड का मोका मुआईना करने पहुचे। यहा पर दल ने पाया की सीसी रोड को दो बार बनाया गया है। उसके बाद भी रोड पुरी तरह से जर्ज़र हो चुका है और गुणवत्ताहिन दिखाई दे रहा है।

तत्पश्चात दल को एक व्यक्ति ने अवगत कराया कि, मेने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की है कि, ग्राम पंचायत झकनावदा द्वारा 4 सीसी रोड केवल कागजो पर ही बनाये गये है। और 10 लाख 50 हजार रुपये शासकीय राशि का दुरूपयोग कर राशि आहरण कर ली गई है और रोड बने ही नहीं हैं। तब दल उन चारो रोड का निरीक्षण करने पहुचा तब दल ने पाया की चार रोड केवल कागजो पर ही बने है और राशि आहरण कर ली गई है। उसके बाद हाट बाजार मे दुकान निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचा दल, जहा पर कोई दुकाने नहीं दिखाई दी। उसकी भी राशि आहरण कर ली गई है। उसके बाद सुतार वाली खाली का निरीक्षण करने दल पहुचा जहा पर चेक डेम का मापदंड के तोर पर नाप लिया गया। उसके बाद भुतखाली मे बने चेक डेम का निरीक्षण करने दल पहुचा जहा पर जल सरक्षण का कोई ऐसा नजारा नहीं दिखा कि जिससे जल संरक्षित हो जाये और लोगो के उपयोग लायक हो। बताये कहा और बने कहा यह बताये गये भूत खाली मे और बनाये गये छापारा खाली में। इसी तरह बखतपुरा पंचायत के क्षेत्र में भी बनाकर ग्राम पंचायत झकनावदा में बनाये गए और ये दोनो डेम एक साथ बनाये गये है। जिसका कोई औचित्य नहीं है। उसके बाद शिकायतकर्ता के साथ दल रामदेव जी की घाटी पर वृक्षा रोपण का निरीक्षण करने पहुचा जहा पर भी केवल गड्ढे खुदे हुए दिखाई दिये जिसमे पौधे गायब थे। उसके बाद नविन अटल कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण करते हुए दल ने कहा कि यहा पर भी पंचो ने आपस मे दुकाने बाट ली है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। यहा पर सभी दुकानों की सर्वजनिक नीलामी की जाएगी।

इस पूरे घटना क्रम में दल की एक अनियमिता यह भी पाई गई कि उसमे ग्राम पंचायत झकनावदा के तत्कालीन सरपंच बालू मेडा को दल के साथ बुलाना जरूरी नहीं समझा। घर का भेदी लंका ढाय की तर्ज पर जनपद पंचायत इंस्पेक्टर ज्ञानसिह चौहान की कार्य शैली पर भी सवाल खड़े होते है कि जब आपको दल का नेतृत्व करते हुए। सीईओ ने दल के साथ झकनावदा पहुंचाया तब आपका कर्तव्य बनता था कि, शिकायतो के निराकरण के लिए दल के साथ आपको जाना था आप क्यो नहीं गये...?

सरकार का नशा मुक्ति अभियान के दायरे से बाहर शराब ठेकेदार

खुलकर ठेकेदार द्वारा किया जा रहा अवैध शराब का परिवहन, थाने से 100 मीटर दूरी पर चल रहा खेल

कैमरे में कैद होने के बाद भी पुलिस और आबकारी के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही

माही की गूंज , पेटलावद, राकेश गेहलोत

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही नशा मुक्ति अभियान मुहिम स्थानीय स्तर पर शो बाज़ी दिखाई दे रही है। कैसे टारगेट पूरा करने के लिए पुलिस साल के अंत मे अवैध शराब विक्रेताओं से मुह से मांग कर टारगेट के नाम पर, प्रकरण लेकर अवैध शराब की धरपकड़ का दिखावा करती है उसी प्रकार सरकार के नशा मुक्ति अभियान में अपनी पीठ थपथपाने के लिए खुद के संरक्षण में चल रहे अवैध शराब के ठेकों और ढाबों पर कार्यवाही कर अवैध शराब जप्त कर ली। यहां तक की इन ढाबो पर बैठ कर शराब पीने वालों तक कि, शराब जप्त कर ली गई। कुछ ही दिनों में ही ये नशा मुक्ति अभियान की वाह-वाही ओर टारगेट खत्म होने के बाद अवैध शराब के ठिये और ढाबे फिर से गुलजार होगे, ये तय है। लेकिन इतनी कार्यवाही के बीच पुलिस और आबकारी विभाग ने ये नही बताया कि, टुकड़ों में छोटी-छोटी मात्रा में पकड़ी गई शराब आखिर कहा से सप्लाई की जा रही है...? शराब की बोतलों पर लगे होलोग्राम और बेच नम्बर की शराब किसको शासन द्वारा दी गई है...? कारण साफ है पुलिस और आबकारी विभाग जानकर भी अंजान बन कर अवैध सप्लाई की जड़ तक नही पहुँचना चाहती है।

पुलिस परिसर से 100 मीटर के दायरे में बिक रही अवैध शराब

सरकार के नशा मुक्ति अभियान की कितनी हकीकत है इससे पता चलता है कि, करोड़ो रूपये देकर रिटेल शराब बिक्री करने वाले शराब ठेकेदार पूरे अभियान का खुलम-खुला माखोल उड़ा रहे है। ये भी कहा जा सकता है कि, सरकार के नशा मुक्ति अभियान के दायरे से बाहर शराब ठेकेदार है। लगातार शराब पकड़ने वाली पुलिस और आबकारी विभाग के पास अवैध शराब के आने- जाने की जानकारी नही है। नगर की अंग्रेजी शराब दुकान और शराब का गोदाम, पुलिस थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर है। शराब का ठेका आबकारी विभाग के आंगन में चल रहा है, ये कहना गलत नही होगा। अंग्रेजी शराब दुकान ओर गोदाम, विभाग के ठीक पीछे उसी की जमीन पर संचालित हो रहे है और यही से न केवल नगर में बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों में वाहनों में भरकर थोक में अवैध रूप से शराब सप्लाई की जा रही है। ठेकेदार के वाहन बकायदा पुलिस और आबकारी के सामने से भरकर ग्रामीण क्षेत्रो की और जाते है, लेकिन इस पर दोनों विभाग के कानों पर जु तक नही रेंगती।

कैमरे में कैद होने के बाद भी नही होती कार्रवाई

नगर के शराब ठेकेदार के हौसले इस कदर बुलंद है कि, लगातार अवैध शराब की धरपकड़ की कार्यवाही होने के बाद ठेकेदार के रसूख में कोई कमी नही है ओर लगातार खुद के चार पहिया वाहन से अवैध शराब की सप्लाई की जा रही है । बताया जा रहा है सुबह जल्दी ओर देर रात में शराब ठेकेदार इस प्रकार से अवैध शराब क्षेत्र में सप्लाई करता है। अगर इसकी सूचना भी पुलिस और आबकारी तक जाती है तो इन तक पहुचने से पहले इसकी जानकारी शराब ठेकेदार तक पहुच जाती है ।

वायरल वीडियो-फ़ोटो, कार्रवाई आखिर क्यों नहीं

अवैध व्यवसाय से जुड़े या किसी अपराध से जुड़े वीडियो वायरल होने के बाद अक्सर देखा गया है कि, पुलिस ऐसे मामलों में बिना शिकायतकर्ता के भी कार्यवाही करती है लेकिन शराब ठेके से जुड़े मामले में ऐसा नही होता।

गत दिनों शराब ठेके के वीडियो और फ़ोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिंसमे साफ देखा गया कि, किस तरह शराब ठेकेदार अपने माल गौदाम में पूरा वाहन अंदर ले जाकर उसमे अवैध रूप से शराब रखकर ग्रामीण इलाकों में निकल जाता है। समय से पहले ही शराब दुकान खोलकर सुरापान करने वालो को शराब परोसकर दुकान के पास ही बैठा कर शराब पिलाई जा रही है। वीडियो-फ़ोटो सोशल मीडिया पर ठेकेदार द्वारा की जा रही अवैध सप्लाई और नियमो के विरुद्ध शराब बिक्री की पोस्ट होती है। लेकिन महीना बंदी के बोझ तले दबी पुलिस और आबकारी, वीडियो के आधार पर कार्रवाई करने को तैयार तक नही है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों ने की शपथ ग्रहण

पूर्व विधायक ने दोहरा दी पुरानी परिषद में की गई घोषणाएं

माही की गूंज, पेटलावद।

शहर की जनता ने जो विश्वास सभी पार्षदों पर जताया है उस पर हर प्रकार से आपको खरा उतरना है। नई परिषद में सभी युवा चहरे नजर आ रहे है। युवाओं के हाथों नगर की कमान नगरवासियों ने सोपी है। आप सभी भी युवा जोश के साथ नगर विकास का इतिहास लिखे। उक्त बातें पूर्व विधायक राज्य मंत्री निर्मला भूरिया ने नगर परिषद शपथ समारोह में कही, निर्मला भूरिया ने मंच से वही पुरानी घोषणाएं कर एक बार फिर नगर विकास का सपना दिखाया जो पूर्व परिषद के शपथ विधि कार्यक्रम में बोल चुकी है। अपने पुराने वादों के साथ निर्मला भूरिया ने कहा, नगर विकास में किसी प्रकार की कमी नही आने दूंगी। प्रदेश के मुखिया शिवराजसिंह चौहान ने भी शहर के विकास के लिए अपने दरवाजे खोल रखे है। भोपाल से विकास के लिए रुपयों की कमी नही आएगी। शपथ समारोह की शुरूवात गणेश जी ओर सरस्वती मां की प्रतिमा पर माल्यर्पण कर की गई। जिसके बाद सभी पार्षद ललीता योगेश गामड़, किरण संजय कहार, मुकेश परमार, इंद्रा मुकेश पड़ियार, कन्नाबाई शामू मेड़ा, दिनेश पड़ियार, चांदनी दीपक निमजा, गौतम गेहलोत, ममता गुजराती, अनुपम भण्डारी, संजय चनोदिया, रेखा प्रदीप पटवा, जमना भूरालाल मुनिया, हंसा शिवा राठौड़, चंदा मेड़ा ने अपने पद की शपथ ली।

स्वागत भाषण नगर परिषद अध्यक्ष ललीता योगेश गामड़ ने दिया। संचालन हेमन्त भट्ट ने किया, आभार नगर परिषद उपाध्यक्ष किरण कहार ने माना। मंच पर जिलापंचायत सदस्य अजमेर भूरिया, जिला महामंत्री, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, उपाध्यक्ष दुर्गा पड़ियार, व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय भण्डारी, दुर्गादास मोटापाला, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष सोनू विश्वकर्मा, पूर्व नप अध्यक्ष मनोहर भटेवरा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष संदीप माण्डोत, महामंत्री संजय कहार मोजूद थे। इस दौरान पूर्व पार्षद लाला चौधरी, अनिल मुलेवा, शालिनी यादव, दीपक काग, जितेंद्र राठोर, दीपक निमजा, रविराज गुजर, दीपक पड़ियार, नितिन चतर, बाबू काग, लोकु परिहार, अप्पू भण्डारी, लाली तोमर, गोपाल राठौर आदि नगर के गणमान्य नागरिक मोजूद रहे।

सांसद और विधायक नहीं पहुँचे

आयोजन की पत्रिका में सांसद डामोर और क्षेत्र के विधायक का नाम भी था लेकिन दोनों ही आयोजन से नदारत रहे। नई परिषद के सामने नगर विकास के लिए वादों की लंबी लिस्ट है जिनको पूरा करने के लिए क्षेत्र के सांसद और विधायक की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी ऐसे में आयोजन से दूरी विचारणीय है ।

भाजपा पिछड़ा वर्ग की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

माही की गूंज, पेटलावद।

भाजपा पिछड़ा वर्ग की बैठक स्थानी गायत्री मंदिर परिसर के हाल में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा भारत माता व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण जिला कोषाध्यक्ष संदीप सोनी के द्वारा किया गया। पश्चात बैठक के विषय व आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा वार पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी जिला अध्यक्ष सोनू विश्वकर्मा के द्वारा दी गई । मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश मंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा धीरज पाटीदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछड़ा वर्ग के जनमानस के लिए व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं।

मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग की कुल आबादी का 52 प्रतिषत जनसंख्या निवास करती है। आप सभी पदाधिकारी इस वर्ग भाजपा का प्रतिनिधित्व करते हैं। आगामी चुनाव को दृष्टिगत देखते हुए मोर्चा को बूथ स्तर तक जाना है आप सभी समय अथक परिश्रम से जुट जाएं।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री दिनेश राठौड के द्वारा किया गया। कार्यक्रम आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री मयूर पवार के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राजेश भटेवरा, आशीष बाविस्कर, जिला मंत्री पवन गुर्जर, लखन भालोड, पेटलावद मंडल अध्यक्ष राजेंद्र काग, रायपुरिया मंडल अध्यक्ष डॉक्टर नाथूलाल पाटीदार, कल्याणपुरा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, रामा अध्यक्ष अनुराग राठौर, थांदला मंडल महामंत्री दीपक राठौड़, खवासा मंडल अध्यक्ष शैतान लोहार, अभय सिंह नायक,, मोहनलाल पाटीदार, विमल गहलोत, पवन हामड, रवि जैसवाल, अशोक लोदावरा, पंकज राठौर रामा, सुमित्रा भटेवरा मंडल मंत्री, कल्पना भाडोदरा, बसंत प्रजापत आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनजाति विकास मंच की हुई बैठक

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय गायत्री मंदिर पर जनजाति विकास मंच की तहसील स्तरीय प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। आगामी 15 नवंबर को धरती आबा क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती है। इस उपलक्ष्य में प्रदेश और देश भर में जनजाति गौरव दिवस मनाया जा रहा है इसी तारतम्य में पेटलावद में भी आगामी 15 नवंबर को कॉलेज मैदान पेटलावद में जनजाति गौरव दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में खंड संयोजक सूरसिंह मीणा ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर अपना वक्तव्य रखा और कहा कि, भगवान बिरसा मुंडा ने देश धर्म और समाज के लिए अंग्रेजों के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी है। उसे समाज के हर तबके तक उनका जो शौर्य था वह पहुंचाना है और भगवान बिरसा मुंडा के रास्ते पर समाज और आने वाली युवा पीढ़ी चले इस उद्देश्य से हमको जनजाति गौरव दिवस मनाना है और अधिक से अधिक समाज के युवा वर्ग बड़े-बुजुर्ग, माता, बहने उपस्थित हो ऐसा सुनिश्चित करवाना है। तत्पश्चात सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश निनामा ने अपने वक्तव्य रखें और कहा कि, वर्तमान की जो युवा पीढ़ी है उन्हें यह बताने की जरूरत है कि, हमारे महापुरुष की विचारधारा और उनका जो शौर्य था वह अद्वितीय है। भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों के रास्ते पर हम चलकर समाज को समर्थ, सशक्त और सक्षम बना सकते हैं।

जनजाति विकास मंच सहसंयोजक संजय मखोड, कोमल निनामा, सुरेश अरड,कालूसिंह निनामा, दशरथ मेडा, मांगूसिंह कटारा, लालसिंह सोलंकी, अमरसिंह डामर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे एवं समाजजन अधिक से अधिक उपस्थित होकर जनजाति गौरव दिवस को धूमधाम से मनाएं ऐसा संकल्प लिया।

बस स्टेंड की बिगड़ती व्यवस्थाओं का कौन है जिम्मेंदार... ?

जिला प्रशासन की अपने ही अधिनस्त अमलों पर नहीं है लगाम

विभागों की लापरवाही ने लील ली एक जान, जनता भुगत रही है दुष्परिणाम

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

लोगों को ज्ञान बांट कर खुद ही अनपढ़ रहना, कही हुई बात पर खुद ही अमल न करना, दूसरों को सिखाए हुए ज्ञान वर्धक बातों को खुद ही अमल न करना। इन सारे हालातों पर जो कहावत कही जाती है वह है ''दिया तले अंधेरा''। कुछ ऐसा ही इन दिनों जिला मुख्यालय पर देखने को मिल रहा है। जिले का पूरा का पूरा सरकारी तंत्र इन दिनों इन्ही हालातों से गुजर रहा है। अधिकारियों पर किसी तरह की कोई कमान जिले में नजर नहीं आ रही है। इसी के घातक परिणाम जिले की जनता को भुगतने के लिए विवष होना पड़ रहा है। स्वास्थ्य महकमा हो, पुलिस महकमा हो या आरटीओ और यातायात अमला, कहीं भी किसी विभाग पर तंत्र की कोई पकड़ दिखाई नहीं दे रही है। जिला प्रशासन ''थोथा चना बाजे घना'' वाली स्थिति में दिखाई पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं के भोपू लिए फिरना मानों जिले में चलन सा हो गया हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन को जिले में कोई काम नजर ही नहीं आ रहा है।

जिला प्रशासन की खुली पोल

मंगलवार को झाबुआ बस स्टेंड पर हुई हृदय विदारक घटना ने जिला प्रशासन की सारी पोल खोलकर रख दी। किसी भी विभाग ने इस मामले में अपनी किसी भी तरह की जिम्मेदारी को पूर्ण रूप से नहीं निभाया। जिला मुख्यालय होने के बावजूद बस स्टेंड का बिगड़ा ढर्रा बरसों बरस में ठीक नहीं हो सका। अनफिट बसें धड़ल्ले से यात्रियों की जान जोखिम में डालकर सेटिंग के जरीए चलाई जा रही है। आरटीओ अब तक बसों पर किराया सूची नहीं चस्पा करवा सकी है। यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है, बस स्टेंड की यातायात व्यवस्था को सम्भालने के लिए एक यातायात कर्मी की ड्यूटी लगाकर इतिश्री कर ली जाती है। बिगड़ी व्यवस्थाओं के बीच बस स्टेंड से फायर ब्रिगेड तक का निकलना मुश्किल हो गया है, स्कूल समय में तो मानों इस अव्यवस्था में ''चार चांद लग जाते है''। जिला मुख्यालय पर स्वास्थ्य सेवाओं का भी बुरा हाल ही है। दुर्घटना के घंटों बाद तक एम्बुलेंस महज 100 मीटर की दूरी तक तय नहीं कर पाती। शर्मनाक यह है कि, लोडिंग वाहनों में शवों को ढोया जाता है। यह सारी बातें जिला प्रशासन को निकम्मा और नाकारा साबित करने के लिए काफी है। जब जिला मुख्यालय पर इतने बुरे हालात है तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि, जिले के कस्बों, नगरों और शहरों में क्या स्थिति होती होगी।

जिले भर में है बस स्टेंड की समस्या

जिला मुख्यालय पर बस स्टेंड की अव्यवस्थाओं का ढर्रा कोई आज से नहीं बिगड़ा है। जिला मुख्यालय की जनता इस दंश को दशकों से झेलती आ रही है। पूरे जिले में बस स्टेंडों को लेकर हालात बहुत ज्यादा खराब है। जिले की सभी तहसीलों में बस स्टेंडों के हालात खराब ही है। चाहे वह रानापुर, मेघनगर या फिर थांदला ही क्यों न हो अव्यवस्थाओं का चारों और बोलबाला है। जिले की सबसे बड़ी तहसील पेटलावद के हालात तो यह है कि, यहां बस स्टेंड ही नहीं है। बस चालक जहां बसों को खड़ी कर दे बस वही, बस स्टेंड बन जाता है। हालात बहुत ही गंभीर है क्योंकी यहां बसें स्टेट हाईवे के आसपास ही खड़ी रहती है और इस स्थिति में दुर्घटना का डर 100 प्रतिशत बना ही रहता है।

हादसे के भयानक परिणाम भी हो सकते थे

मंगलवार को जिला मुख्यालय के बस स्टेंड पर बस के ब्रेक फेल हो जाने से एक युवक को अपनी जान से हाथ धोने पड़े। ब्रेक फेल हुई बस काफी रफ्तार में बस स्टेंड में प्रवेश करती है और आगे खड़ी बस से जाकर टकरा जाती है। जिस बस से यह बस टकराती है उस की डिक्की में सामान रख रहा एक युवक दोनों बसों के बीच दब जाता है और उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है। इस घटना के बाद पूरे बस स्टेंड पर हंगामा मच गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस को कॉल किया। मगर काफी समय बीत जाने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची तो पुलिस ने एक लोडिंग वाहन कर शव को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। विडम्बना यह है कि, जिला चिकित्सालय की दूरी बस स्टेंड से महज 100 मिटर ही होगी। बावजूद इसके एंबुलेंस एक घंटे तक घटना स्थल पर नहीं पहुंच सकी। दुर्घटना के बाद मृतक के परिजनों ने बस स्टेंड पहुंचकर हंगामा किया और बस को जलाने की कोशिश तक की मगर पुलिस ने हालात को सम्भाल लिया। जिसके बाद बस स्टेंड पर खौफ का माहौल बन गया। बस स्टेंड पर आने वाली बसों को भी कुछ समय के लिए रोक दिया गया और विजय स्तम्भ से बसों का संचालन हो सका। इसमें यात्रियों को भी भारी परेशानी का समना करना पड़ा। अब सवाल यह उठता है कि, इस सारे घटनाक्रम का जिम्मेदार कौन है...? अगर ब्रेक फेल हुई बस आगे खड़ी बस से नहीं टकराती तो क्या होता...? इस सूरत में तो इतनी जनहानी हो जाती कि, जिसका अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल है। बस स्टेंड पर उस समय काफी भीड़ मौजूद थी। इसके अलावा सामने की तरफ फल विक्रेताओं के दर्जनों ठेले लगे हुए थे, अगर हादसा बड़ा रूप ले लेता तो यह कल्पना भी नहीं की जा सकती कि, जान और माल का कितना नुकसान हो सकता था।

कौन है जिम्मेदार...?

सवाल यह भी उठ रहे है कि, आखिर जिम्मेदार कहां है...? कंडम बसों को यात्री ढोने की इजाजत कौन देता है...? जिला मुख्यालय से सैकड़ों बसें चलती है इनमें कुछ तो ऐसी बसे है कि, देखकर ही अंदेशा हो जाता है कि, मंजील तक पहुंचाएगी या नहीं...? आरटीओ की उदासीनता के चलते अब तक बसों पर किराया सूची ही चस्पा नहीं हो पाई है। यात्रियों को इसका दंश मनमाने किराए के तौर पर झेलना पड़ रहा है। आरटीओ इन सारी अव्यवस्थाओं को लेकर कभी कोई कार्रवाई करती दिखाई नहीं दी। केवल वर्ष के पहले तीन महीनों में ही मेडम दिखाई देती है, उसका कारण यह है कि, मार्च तक वसूली का टारगेट पूरा करना होता है, इसके बाद ''अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता।'' इसके अलावा चौराहों पर चर्चाएं तो कुछ ऐसी है कि, आरटीओ मेडम की बस मालिकों से भारी सेटिंग है और इसी का परिणाम है कि, मेडम बसों की तरफ कभी नजरें उठाकर भी नहीं देखती। इसके अलावा यातायात अमला जो यातायात नियमों को लेकर जिला मुख्यालय पर हमेशा ढिंढोरी पीटता रहता है, वह कहां है...? साल भर ढिंढोरा पीटते निकल जाता है लेकिन इस तरह की दुर्घटनाएं यातायात अमले पर भी सवालिया निशान लगा देती है। केवल चालानी कार्रवाई करना यातायात अमले का एकमात्र काम रह गया है। जिला मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था ''ढाक के तीन पात'' ही नजर आती है। यातायात अमले का भी महज एक ही मकसद दिखाई पड़ता है वह है टारगेट पूरा करना। इसके अलावा जैसे कोई काम इस अमले के पास नही है।

पुलिस प्रशासन के हालात भी कुछ ऐसे ही है। शहर भर में कैमरे तो लगा दिए गए लेकिन उसका फायदा क्या हुआ, यह किसी को नही मालूम। बस स्टेंड पर चोरी और जेब कतरने की आए दिन होने वाली वारदातें इस बात की गवाह है।

गरीब की जोरू सब की भाभी

वैसे कहा जाए तो बस स्टेंड के हालत ''गरीब की जोरू सब की भाभी'' जैसी वर्षों से दिखाई पड़ रही है। जब-जब नए अधिकारी आते वे अपने हिसाब से व्यवस्था जमाते लेकिन उनके जाने के बाद व्यवस्था ध्वस्त हो जाती। तत्कालीन कलेक्टर चंद्रशेखर बोरकर ने जिला मुख्यालय के बस स्टेंड को व्यवस्थित किया था, लेकिन उनके जाने के बाद यातायात अमले ने इस व्यवस्था को पूरी तरह से बर्बाद करके रख दिया। जिन बसों का समय नहीं होता वह भी घंटों बस स्टेंड पर ही पड़ी रहती। जबकि पूर्व में यह व्यवस्था की गई थी कि, कोई भी बस अपने निर्धारित समय से 15 मिनट पहले ही बस स्टेंड पहुंचेगी। मगर अब हालात बुरी तरह से बिगड़ चुके है। इस अव्यवस्था का खुला जिम्मेदार देखा जाए तो आरटीओ और यातायात विभाग ही है।

नाकारा और निकम्मेपन पर लगाम की जरूरत

हालात इतने बिगड़े हुए है कि बस स्टेंड के पीछे स्थित नगरपालिका से निकलने वाले फायर ब्रिगेड भी बस स्टेंड की अव्यवस्थाओं के चलते फस जाते है। चूंकि बस स्टेंड के समीप ही दो बड़े स्कूल है तो स्कूल के लगने और छूटने के समय हालात इतने गंभीर हो जाते है कि, पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। अगर स्कूल की छुट्टी के समय इस तरह की दुर्घटना हो जाए तो न जाने कितने नौनिहालों की जान पर बन आए। कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि, जिला प्रशासन का अपने अधिनस्थ विभागों पर कोई काबू नहीं है। इसी का परिणाम है कि, न आरटीओ विभाग अपना काम सही ढंग से कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग का ढर्रा भी बिगड़ा हुआ है। यातायात अमला भी बस स्टेंड की व्यवस्थाओं को चॉक चौबंद करने में नाकारा साबित हो रहा है। इन सबका मुख्य जिम्मेदार अगर देखा जाए तो जिला प्रशासन ही है या यूं कहें कि, कलेक्टर मेडम खुद इस तरह की अव्यवस्थाओं की जिम्मेदार है। जिन्होने अपने अधिनस्त अमलों व उनके आला अधिकारियों को खुला छोड़ दिया है।

विनती इतनी सी है कि, मेडम रजनीसिंह लगाम जरा कस के पकड़े वरना परिणाम आपके लिए ही घातक होंगे। क्योंकि जिले में अधिकारियों का ढर्रा बिलकुल उस जंगली घोड़े जैसा है जो कभी किसी के काबू में आना ही नहीं चाहते और इस तरह के घोड़ों पर आप सवार होकर चलेंगी तो यह तय है कि, यह आपको ही चोंट पहुंचाएंगे।

संपादकीय

आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों का आरक्षण जायज -सुप्रीम कोर्ट

आखिरकार शीर्ष अदालत ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को आरक्षण देने वाली व्यवस्था को हरी झंडी दे दी है। लेकिन पांच सदस्यीय पीठ द्वारा बहुमत से दिए गए फैसले के बावजूद न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट ने असहमति जताते हुए इसके औचित्य पर प्रश्न चिन्ह उठाए। नि:संदेह, देश में सदियों से वंचित-प्रताड़ित समाज को बराबरी के स्तर पर लाने के प्रयासों में संविधान सभा के सदस्यों ने आरक्षण की व्यवस्था की थी। जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, जनजातियों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण के जरिए समानता का हक देने का प्रयास किया गया था। यह माना गया कि, शिक्षा और रोजगार में आरक्षण से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वे समाज में समता का स्थान पा सकेंगे। संसद ने 103वें संविधान संशोधन के जरिए 2019 में सवर्णों में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को दस फीसदी आरक्षण देने हेतु कानून बनाया था। आरक्षण को वंचितों व पिछड़ों का अधिकार बताते हुए इस कानून को कालांतर शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी, जिस पर पांच सदस्यीय पीठ का फैसला अब आया है। नि:संदेह, अदालत के इस फैसले के तमाम प्रभाव सामाजिक व राजनीतिक रूप में नजर आएंगे। हालांकि, अधिकांश राजनीतिक दलों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन कई संगठनों ने इसका विरोध भी किया है। वहीं कानून के समर्थक कह रहे हैं कि जब अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़ों के लिए निर्धारित 50 फीसदी आरक्षण में कोई बदलाव नहीं किया गया है तो इस विरोध का क्या औचित्य है। बहरहाल, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस कानून के पक्ष में फैसला देने वाले जज न्यायमूर्ति पारदीवाला ने सवाल भी उठाए हैं कि, सामाजिक असमानता दूर करने में क्या वाकई आरक्षण आखिरी उपाय माना जा सकता है? सवाल यह भी कि, आरक्षण की समय सीमा क्या हो क्योंकि संविधान में भी अनंत काल तक आरक्षण की वकालत नहीं की गई है।

वैसे भारतीय समाज में आरक्षण का मामला हमेशा एक पेचीदा सवाल रहा है। यह भी कि भारतीय समाज के कुछ लोगों में अनुसूचित जाति व जनजाति को लेकर जो दुराग्रह या भेदभाव रहा है क्या साढ़े 7 दशक बाद आरक्षण देने से उसमें बदलाव आया है? वहीं इन समाजों का अंतिम व्यक्ति अशिक्षा व अन्य विषमताओं के चलते जहां आरक्षण के लाभ से वंचित रहा है, वहीं आरक्षण के लाभ से संपन्न हुए तबके की आने वाली पीढ़ियों को इसका लाभ दिया जाना बदस्तूर जारी है। नि:संदेह, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक असमानता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। पहले कानून के जरिए प्रयास हों और फिर समाज में चेतना के जरिए गैर-बराबरी की व्यवस्था में बदलाव लाया जाए।

वहीं इस बात का भी अध्ययन होना चाहिए कि, जिस वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी, क्या उसको वास्तव में इसका लाभ मिल रहा है...? क्या उसके जीवन में वास्तविक बदलाव आया है...? बहरहाल, शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद इंदिरा साहनी मामले के चलते जो आरक्षण की उच्चतम सीमा पचास प्रतिशत निर्धारित की गई थी, उसके खत्म होने की बात कही जा रही है। बहुत संभव है आने वाले दिनों में देश के विभिन्न राज्यों में नई जातियों के लिए आरक्षण को लेकर मुहिम चले। सामयिक व जरूरी मुद्दों से विहीन राजनीतिक दल इस फैसले की आड़ में नई आरक्षण मुहिम के पक्ष में खड़े नजर आ सकते हैं। नि:संदेह इस फैसले के निहितार्थ दूर तक नजर आएंगे। जो इस विषय की जटिलता में और इजाफा ही करेंगे। हालांकि, कोर्ट ने कानून को संविधान सम्मत बताया है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति की अंतहीन कथा आरंभ हो सकती है। बहरहाल, देश के राजनीतिक नेतृत्व को यह सोचना होगा कि, आरक्षण सिर्फ और सिर्फ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का साधन है, राजनीति का हथियार नहीं। वहीं यक्ष प्रश्न यह भी कि, आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा देश अब तक आरक्षण के वास्तविक लक्ष्यों को क्यों हासिल नहीं कर पाया...? क्यों तमाम बिरादरियों में आरक्षण की आकांक्षा नये सिरे से बलवती होती जा रही है।

बरकरार रहे लोकतंत्र की खूबसूरत लय

प्रेमसिंह

वर्ष 1991 से दिल्ली के बाद शिमला मेरा दूसरा शहर रहा है। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के सभी शहरों, कस्बों और गांवों में आना-जाना होता रहा है। खेती-किसानी से लेकर व्यवसाय से जुड़े लोगों तक, प्रशासन से लेकर साहित्यकारों, पत्रकारों, कलाकारों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, वकीलों, नेताओं आदि तक और कुलियों से लेकर इमारत, सड़क, पुल आदि के निर्माण में लगे मजदूरों तक से कुछ न कुछ परिचय और चर्चा होती रही है। इस दौरान अनुभव किया है कि हिमाचल प्रदेश में बारी-बारी से कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की परिघटना को यहां का नागरिक समाज सहजता से लेता है। प्रदेश के विकास-कार्य, कार्य-संस्कृति, साहित्यिक-सांस्कृतिक-शैक्षिक गतिविधियां दोनों पार्टियों के शासन में बिना किसी खास व्यवधान के सामान्य रूप से चलती रहती हैं। कांग्रेस-शासन में भाजपा के लोगों के काम नहीं रुकते और भाजपा-शासन में कांग्रेस के लोगों के। दोनों पार्टियों की सरकारें चुनने वाली हिमाचल की सामान्य जनता का काम भी सुभीते से होता रहता है।

इस वर्ष लगभग पूरी गर्मियां मैं शिमला में रहा। जून के अंतिम सप्ताह और जुलाई के पहले सप्ताह को मिलाकर करीब 10-12 दिनों की लंबी यात्रा- शिमला, रामपुर बुशहर, सराहन, सांगला, कल्पा, पूह, सपीलो, ताबो, काजा, लोसर, चंद्रताल, बातल, कोकसर, केलोंग, उदयपुर, मनाली, कुल्लू, मंडी, बिलासपुर, शिमला- एक बार फिर की। इस दौरान मिलने वाले प्रायः सभी लोगों से मैंने आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में उनका आकलन और रुझान जानने की कोशिश की। प्रायः सभी ने एक जैसा जवाब दिया, अभी चुनावों में देर है। कुछ फैसला नहीं किया है। देखेंगे क्या करना है। अगस्त-सितम्बर तक लोगों का कमोबेश यही जवाब बना रहा।

चुनावों की घोषणा के बाद से लोग कई सारे मुद्दों पर मुखर होने लगे। नौकरी-पेशा लोग स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में समाप्त की गई पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की बात करने लगे। खेती और बागवानी करने वाले किसान बीज-खाद, कीटनाशक आदि के तेजी से बढ़ने वाले खर्च की शिकायत करने लगे। जब मैंने पूछा कि प्रधानमंत्री की किसान योजना के तहत किसानों को हर महीने कुछ आर्थिक मदद मिलती है, तो कई किसानों ने कहा कि यह बनियागीरी है, एक हजार देंगे, चार हजार वापस छीन लेंगे। बेरोजगारी और महंगाई पूरे देश की तरह हिमाचल प्रदेश में भी दो गंभीर समस्याएं हैं। ये दोनों मुद्दे भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनने लगे। सेना में नौजवानों की भर्ती की अग्निवीर योजना पर लोगों का गुस्सा सामने आने लगा। इस विषय में मैंने जब हिमाचल के कुछ अवकाश-प्राप्त फौजियों से चर्चा की तो वे इसके खिलाफ काफी नाराज नजर आए। उनका कहना था कि यह योजना सेनाओं में सिपाही भर्ती की इच्छा से परिचालित युवाओं के करिअर के लिहाज से तो गलत है ही, सेनाओं के अनुशासन और शक्ति के लिए भी घातक है। अलग-अलग महकमों के कर्मचारी भी अपनी समस्याओं के बारे में बताने लगे। यह तथ्य भी चर्चा में आया है कि 2017 के बाद से हिमाचल में नशे (ड्रग्स) की समस्या में वृद्धि हुई है। इस पूरी चर्चा में मैंने पढ़े-लिखे लोगों से हिमाचल प्रदेश में स्थापित किये जा रहे निजी विश्वविद्यालयों और नई शिक्षा नीति के बारे में सवाल किया। लेकिन मुझे आश्चर्य और निराशा भी हुई कि इन मुद्दों पर उनमें किसी की भी साफ सोच नहीं है। चुनावी चर्चा में ये मुद्दे शामिल नहीं हैं।

अब ये सभी मुद्दे चुनावी माहौल में बिखरे हुए हैं। कांग्रेस इनमें से कई मुद्दों को उठा रही है और उनके समाधान के वायदे कर रही है। जिन अखबारों में चुनावों की ठीक-ठाक रिपोर्टिंग हो रही है, उन सभी में ये मुद्दे शामिल हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ मिल जाएगा। इन मुद्दों के साथ लोग कांग्रेस के बिखराव का सवाल भी उठा देते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के बिखराव का हिमाचल पर ज्यादा असर न भी हो, लोगों का कहना है कि राजा वीरभद्र सिंह के निधन के बाद हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में पहले जैसी एकजुटता का अभाव है। भाजपा शुरू से यह प्रचार कर रही है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हैं। हालांकि, भाजपा के इस प्रचार में ज्यादा दम नहीं है। कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष और दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह चुनाव नहीं लड़ रही हैं। कांग्रेसियों के मुताबिक वे मुख्यमंत्री की दावेदार नहीं हैं और संगठन के संचालन और मजबूती का काम करती रहेंगी।

गर्मियों से लेकर अभी तक हिमाचल प्रदेश के प्रवास के दौरान मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने स्पष्ट कहा कि वे मोदी के समर्थक हैं और मोदी को ही वोट देंगे। ऐसा कहने वालों में परंपरागत रूप से कांग्रेस को वोट देने वाले लोग भी शामिल हैं। यह अकारण नहीं है कि भाजपा ठोस मुद्दों और सत्ता के विरुद्ध उपजी नाराजगी से जनता का ध्यान हटाने के लिए पूरी तरह नरेंद्र मोदी के 'करिश्मे' पर निर्भर हो गई है। प्रधानमंत्री चुनावों के मद्देनजर हिमाचल प्रदेश की चार-पांच यात्राएं कर चुके हैं। अपनी हाल की सोलन की चुनावी सभा में उन्होंने अपने नाम पर वोट डालने की अपील की है। यह दुहाई देते हुए कि लोगों का वोट मोदी के लिए आशीर्वाद होगा।

जाहिर है, भाजपा ने यह रणनीति अपनाकर मतदाताओं को यह संदेश देने की कोशिश की है कि कांग्रेस के पास मोदी जैसा नेता नहीं है। भाजपा के बागियों के लिए भी उसका संदेश है कि पार्टी से बगावत मोदी के नेतृत्व से बगावत है। हालांकि, भाजपा को ही यह सोचना है कि ऐसा करके एक राजनीतिक पार्टी और सरकार के तौर पर वह अपनी कमजोरी दिखा रही है या ताकत? लगभग सभी अखबारों ने यह लिखा है कि कांग्रेस चुनावों में आर्थिक संसाधनों की कमी से जूझ रही है। दूसरी तरफ भाजपा अपनी नई राजनीतिक शैली के तहत चुनावों पर पानी की तरह पैसा बहाती है।

मैंने यह पाया है कि कांग्रेस के डॉ. यशवंत सिंह परमार से लेकर वीरभद्र सिंह तक और जनसंघ व भाजपा के डॉ. शांता कुमार से लेकर प्रेमकुमार धूमल तक की सामान्य जनता और बौद्धिक समाज में स्वीकृति रही है। लोकतंत्र की इस स्वस्थ शैली का परिणाम हिमाचलवासियों के अच्छे शैक्षिक और आर्थिक स्तर में निकला है। यहां महिलाओं और युवाओं की जागरूकता को भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा सकता है। संघ व भाजपा की 2014 से अस्तित्व में आई राजनीतिक शैली ने हिमाचल प्रदेश की उसके निर्माण के समय से चली आ रही इस लोकतांत्रिक लय को काफी हद तक तोड़ा है। देखना यह है कि 12 नवम्बर, 2022 को होने वाले विधानसभा चुनावों में हिमाचल के लोग लोकतंत्र की खूबसूरत लय को बचाते हैं, या और ज्यादा टूट के हवाले करते हैं?

मिसाइल हमले रोकने का मिला रक्षा कवच

दो नवम्बर को ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से द्वितीय चरण की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) इंटरसेप्टर एडी-1 की पहली उड़ान का सफल परीक्षण करके भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और विशेष उपलब्धि हासिल कर ली है। इंटरसेप्टर एडी-1 मिसाइल अलग-अलग प्रकार के लक्ष्य भेदने में सक्षम है। यह मिसाइल एक लम्बी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है। इसके परीक्षण के दौरान बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस हथियार प्रणाली की परीक्षा भी शामिल थी। इस मिसाइल को लम्बी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ विमानों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा तंत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी।

नि:संदेह बीएमडी सिस्टम को दुरुस्त करने की दिशा में भारत ने विशेष कामयाबी हासिल की है। अब भारत शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों को आसमान में ही उड़ा देने की क्षमता को उन्नत स्तर तक ले गया है। देखा जाए तो पाकिस्तान और चीन द्वारा बैलिस्टिक हथियार विकसित किए जाने के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए यह भारत की अहम उपलब्धि है। इंटरसेप्टर एडी-1 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। डीआरडीओ के साथ इसमें 40 निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियां शामिल हुईं। इस मिसाइल को शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों के अलावा शत्रु के विमानों के लो एक्सो-एटमॉस्फेरिक और एंडो-एटमॉस्फेरिक इंटरसेप्शन- दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। इस तरह यह शत्रु की मिसाइलों व विमानों को पृथ्वी के वायुमंडल और उसके बाहर दोनों जगहों पर डिटेक्ट करके उनको नष्ट करने में सक्षम है।

नि:संदेह, सफल परीक्षण से भारत को आसमान में एक बेहतर रक्षा कवच मिल गया है। भारत इस तरह की क्षमता हासिल करने वाला संसार का चौथे नंबर का देश बन गया है। अभी तक यह क्षमता अमेरिका, रूस और इस्राइल के पास थी। इस प्रणाली में शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही पहचान कर फिर उन्हें एंटी बैलिस्टिक मिसाइल द्वारा दाग कर नष्ट कर दिया जाता है। भारत द्वारा पाकिस्तान से परमाणु हमले के खतरे को दखते हुए मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम को बनाने का कार्य शुरू हुआ। भारत द्वारा विकसित एंटी बैलिस्टिक मिसाइल पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइल गौरी को हवा में ही मार गिराने की ताकत रखती है। यह मिसाइल सात मीटर लम्बी है। ये मिसाइलें 2000 किलोमीटर से अधिक दूर से आती हुई शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने के लिए विकसित की गई हैं।

दरअसल, हमलावर मिसाइल को जमीन पर गिरने से पहले उड़ान के दौरान आसमान में ही नष्ट कर देने वाली मिसाइल को इंटरसेप्टर मिसाइल कहा जाता है। दुश्मन की आक्रामक मिसाइलों के खतरे से निपटने के लिए अभेद्य कवच विकसित करने के प्रयास सन? 1999 में प्रारम्भ कर दिए गए थे। इस कवायद का परिणाम सन? 2006 में तब सामने आया जब 27 नवम्बर को इसका प्रथम सफल परीक्षण किया गया। इसके बाद 6 दिसम्बर, 2007 एवं 6 मार्च, 2009 को इसके दूसरे व तीसरे सफल परीक्षण हुए। भारत ने सबसे पहले 22 नवम्बर, 2015 को स्वदेश में विकसित सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। इसके बाद भारत द्वारा 11 फरवरी, 2017 को स्वदेश में बनी इंटरसेप्टर मिसाइल का परीक्षण किया गया।

वास्तव में बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षातंत्र को विकसित किए जाने की दिशा में इस मिसाइल का निर्माण किया गया है। एंडो एक्समोफोरिक (तकरीबन 30 किलोमीटर की ऊंचाई) के लिए बनाई गई यह मिसाइल रॉकेट से चलती है। इंटरसेप्टर मिसाइल के पास अपना मोबाइल लांचर होता है। इसके अलावा इंटरसेप्शन के लिए सुरक्षित डेटा लिंक जैसी सहूलियतें भी मौजूद रहती हैं।

इंटरसेप्टर मिसाइल परीक्षण से चीन की चिंता बढ़ गई है और उसने अपना जासूसी पोत हिन्द महासागर में भेज दिया है। साफ तौर पर माना जा रहा है कि चीन की इस चालबाजी की वजह भारत के मिसाइल परीक्षण ही हैं, जिन्हें आगामी कुछ दिनों में किया जाना है। चीन ने कुछ महीने पहले भी इसी तरह का एक जासूसी पोत श्रीलंका के हंबनटोटा बन्दरगाह पर भेजा था। इसके द्वारा उसने भारत की गतिविधियों पर नजर रखने का प्रयास किया था। पुख्ता जानकारी है कि चीन का जासूसी जहाज युआन यांग-6 हिन्द महासागर में प्रवेश कर चुका है और बाली के तट पर मौजूद है। इसका मकसद भारत के आगामी महत्वपूर्ण मिसाइल परीक्षणों को ट्रैक करना है। इस जासूसी जहाज का आगमन ऐसे समय में हुआ है जब भारत कुछ ही दिनों में अपने मिसाइल परीक्षण करने वाला है।

उल्लेखनीय है कि, हिन्द महासागर क्षेत्र में नौसेना के युद्धपोतों की मिशन तैनाती बनी रहती है, जिससे इस इलाके में आने-जाने वाले जहाजों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इधर भारतीय नौसेना ने यह निश्चित कर लिया है कि वह देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में चीन के जासूसी जहाज को घुसने नहीं देगी। चीन का युआन यांग-6 जहाज आधिकारिक तौर पर अनुसंधान जहाज के तौर पर पंजीकृत है। यूं तो युद्धपोत सहित कई विदेशी जहाज एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में आ सकते हैं लेकिन हमारे देश का कानून बिना किसी अनुमति के किसी भी देश को शोध या अन्वेषण की इजाजत नहीं देता है। इसी कानून के तहत भारत ने वर्ष 2019 में चीन के एक जासूसी जहाज शी यान-1 को एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से बाहर जाने को मजबूर कर दिया था।

लेखक :- डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

हिन्दुत्ववाद की राजनीति मे भाजपा से प्रतिस्पर्धा आसान नही

जिस दौर में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को मुसलमानों का तुष्टीकरण करने वाली पार्टी के रूप में प्रचारित कर हिन्दुत्ववाद की अपनी राजनीति का और अधिक विस्तार किया था उस समय शायद राहुल गाँधी के सलाहकारों ने उन्हें भी सलाह दे डाली थी कि वे भी स्वयं को हिन्दू हितैषी यहां तक की 'जनेऊधारी हिन्दू' प्रचारित करें। तभी राहुल गांधी ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के 20 से अधिक मंदिरों का दौरा भी किया था। 2017 में छिड़ी सॉफ्ट बनाम हार्ड लाइन हिंदुत्व की बहस के बीच तत्कालीन केंद्रीय मंत्री स्वव अरुण जेटली ने राहुल गांधी के मंदिर-मंदिर जाने के इन प्रयासों पर तंज कसते हुये कहा था कि- 'बीजेपी को हमेशा से हिंदुत्व की समर्थक पार्टी के तौर पर देखा जाता रहा है। यदि कोई हमारी नकल करना चाहता है तो हमें कोई शिकायत नहीं है। लेकिन राजनीति का एक बेसिक सिद्धांत रहा है, यदि असली उपलब्ध है तो कोई क्लोन पर भरोसा क्यों करेगा। उनकी पार्टी की जड़ें 'हिंदुत्व' में रही हैं, लेकिन हिंदू धर्म में हाल में आस्था में रखने वाले लोग एक 'क्लोन' की तरह हैं।' उसी दौरान जब राहुल गांधी सोमनाथ मंदिर गए तो मंदिर प्रबंधकों द्वारा उनका नाम गैर-हिंदुओं के नाम वाले रजिस्टर में दर्ज किया गया था। इसके बाद उपजे विवाद पर भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला बोला था और उनसे अपने धर्म को लेकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। तभी कांग्रेस को यहां तक सफाई देनी पड़ी थी कि राहुल गांधी 'जनेऊ धारी हिंदू' हैं। स्वयं राहुल गांधी को यह भी बताना व जताना पड़ा कि 'वे शिव भक्त परिवार से आते हैं।' परन्तु स्वयं को'हिन्दू' जताने के राहुल के प्रयासों का कोई भी फर्क कांग्रेस या राहुल गांधी की राजनीति पर पड़ता नजर नहीं आया और आखिरकार उन्हें कांग्रेस की मूल गांधीवादी विचारधारा पर ही कायम रहते हुये 'भारत जोड़ो' यात्रा जैसी कठिन परन्तु कारगर राह अख्तियार करनी पड़ी।

इसी बात को इन उदाहरणों के माध्यम से भी समझा जा सकता है कि जब असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गये तो वहां जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस की गांधीवादी विचारधारा को तिलांजलि दे दी और स्वयं को खांटी व उग्र हिंदुत्ववादी नेता के रूप में ढाल लिया। इसका मकसद केवल यही है कि उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी सलामत रहे और उनपर भाजपा ही नहीं बल्कि आर एस एस की भी नज़र-ए-इनायत बनी रहे। अब भी वे समय समय पर कांग्रेस व नेहरू गांधी परिवार पर हमलावर होकर भाजपा के प्रति अपनी वफादारी का सुबूत देने के लिये मजबूर रहते हैं। यही स्थिति आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुये दिल्ली के नेता कपिल मिश्रा की भी है। आप पार्टी में रहते हुये भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सख्त शब्दों में हमलावर होने के उनके कई वीडिओ अभी भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। परन्तु भाजपा में शामिल होते ही उन्होंने न केवल हिंदुत्ववादी बल्कि फायर ब्रांड हिंदुत्ववादी नेता के रूप में स्वयं को स्थापित कर लिया है। आज देश में कहीं भी साम्प्रदायिकता की चिंगारी धधकती है उस समय कपिल मिश्रा वहां चिंगारी को हवा देने पहुँच जाते हैं। ऐसे और भी अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि इस समय भारतीय जनता पार्टी देश में हिन्दुत्ववाद की राजनीति करने का एकमात्र प्लेटफॉर्म बन चुकी है।

क्या ऐसे में आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल का हिन्दुत्ववाद की राजनीति का सहारा लेने की कोशिश करना उन्हें भाजपा के मुकाबले में खड़ा कर पायेगी? आखिर आई आई टी से शिक्षित होने के बावजूद उन्हें बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह कहने की जरुरत क्यों महसूस हुई कि ÷ हमारे देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. डॉलर के मुकाबले रुपया रोज कमजोर होता जा रहा है। अतःयदि देवी-देवताओं का आशीर्वाद हो तो प्रयासों का फल मिलने लगता है। ÷ साथ ही उन्होंने कहा कि हर महीने छपने वाले नए नोटों में महात्मा गांधी के साथ गणेश और लक्ष्मी की तस्वीरें छापने की व्यवस्था कर दी जाए। अपनी इस मांग के समर्थन में उन्होंने इंडोनेशिया का हवाला देते हुये यह भी कहा कि इंडोनेशिया एक मुस्लिम देश होने तथा वहां हिंदुओं की आबादी दो प्रतिशत होने के बावजूद वहां की करेंसी में गणेश की तस्वीर है। हालांकि उनका इंडोनेशिया का उदाहरण गलत साबित हुआ।

केजरीवाल ने भारतीय करेंसी पर महात्मा गांधी के साथ गणेश और लक्ष्मी की तस्वीरें छापने की मांग सम्बन्धी पत्र भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिख डाला। परन्तु लगता है कि केजरीवाल की यह मांग शायद उन्हें 'हिंदुत्ववादी चोला' तो नहीं पहना सकी हाँ 'बैक फायर' जरूर कर गयी। क्योंकि देश के अनेक साधू संतों,अखाड़ों व अनेक हिन्दू धार्मिक संगठनों ने केजरीवाल की इस मांग पर यह कहते हुये आपत्ति जताई कि जिस करेंसी का मांस-मदिरा और अनेक अनैतिक कार्यों में आवागमन होता रहता हो उस पर गणेश-लक्ष्मी क्या किसी भी देवी देवता के चित्र नहीं छापे जा सकते। स्वयं को हिंदुत्ववादी जताने की प्रतिस्पर्धा में ही गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान केजरीवाल ने यह भी कहा है कि ''हम सब लोग गाय को अपनी माता मानते हैं, अगर गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो हर गाय की अच्छी तरह से देखभाल करेंगे और हर गाय के रख रखाव के लिए 40 रुपये प्रति गाय प्रति दिन के हिसाब से देंगे।'' इसी तरह 2021 के दिल्ली विधान सभा के बजट सेशन के दौरान अरविंद केजरीवाल ने अपने भाषण में कहा था कि वह दिल्ली में 'राम राज्य' लाने के लिए काम कर रहे हैं। उसी समय उन्होंने दिल्ली के एक मंदिर में भगवान राम की 30 फुट ऊंची मूर्ति बनाये जाने को अपनी सरकार की एक उलपब्धि के तौर पर गिनाया था। अब वे कभी कभी नरेंद्र मोदी की ही तरह तिलक-कंठी-माला धारण किये हुए भी नजर आ जाते हैं।

इसके अलावा भी केजरीवाल अब अपनी सत्ता विस्तार के प्रयासों में काफी भ्रमित दिखाई देने लगे हैं। क्योंकि उन्होंने अपनी पार्टी के व अपने दिल्ली व पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय में शहीद भगत सिंह व बाबा साहब अंबेडकर के चित्र लगा रखे हैं वैचारिक रूप से भगत सिंह व बाबा साहब अंबेडकर के सिद्धांत भी केजरीवाल के करंसी पर देवी देवता के चित्र छापने के विचारों से कतई मेल नहीं खाते। अंबेडकर ने तो बौद्ध धर्म स्वीकार करते समय अपनी 22 प्रतिज्ञाओं में पहली ही चार प्रतिज्ञाओं में साफ लिखा है कि मैं ब्रह्मा, विष्णु और महेश में कोई विश्वास नहीं करूँगा और न ही मैं उनकी पूजा करूँगा। मैं राम और कृष्ण, जो भगवान के अवतार माने जाते हैं, में कोई आस्था नहीं रखूँगा और न ही मैं उनकी पूजा करूँगा। मैं गौरी, गणपति और हिन्दुओं के अन्य देवी-देवताओं में आस्था नहीं रखूँगा और न ही मैं उनकी पूजा करूँगा। और यह भी कि मैं भगवान के अवतार में विश्वास नहीं करता हूँ। ऐसे में केजरीवाल हिंदुत्ववादी का चोला ओढ़कर कुछ अधिक हासिल कर सकेंगे ऐसा तो कतई प्रतीत नहीं होता। हकीकत तो यही है कि हिन्दुत्ववाद की राजनीति में भाजपा से प्रतिस्पर्धा आसान नहीं है।

तनवीर जाफरी

जिले में रबी मौसम के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध यूरिया

कलेक्टर ने जावरा तथा सैलाना में उर्वरक विक्रय का किया निरीक्षण

विक्रेताओं को रेट लिस्ट व स्टॉक की मात्रा प्रदर्शित करने के दिए निर्देश

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में यूरिया तथा अन्य उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा रबी सीजन के लिए वर्तमान में उपलब्ध है। जिले को लगातार रेलवे रेक प्राप्त हो रहे हैं। अभी जिले में 3 हजार 739 मेट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। डीएपी 5 हजार 307 मेट्रिक टन, कांप्लेक्स 3 हजार 452 मेट्रिक टन मात्रा उपलब्ध है। नवंबर में अभी चार रेलवे रेक प्राप्त होने वाले हैं। उर्वरक विक्रय तथा वितरण व्यवस्था निरीक्षण हेतु मंगलवार को कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने जावरा तथा सैलाना क्षेत्रों का भ्रमण किया। कलेक्टर डबल लॉक केंद्रों पर पहुंचे वहां किसानों से चर्चा की। किसानों ने बताया कि, उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में यूरिया तथा अन्य उर्वरक मिल रहे हैं। कलेक्टर ने जावरा में मार्कफेड के डबल लाक केंद्र का निरीक्षण किया, वहां यूरिया की एक हजार 977 बोरिया गोडाउन में पाई गई। प्रत्येक बोरी 45 किलोग्राम वजन की है। कलेक्टर ने गोडाउन के अंदर पहुंचकर उर्वरक का स्टॉक देखा। कलेक्टर ने पाज मशीन तथा विक्रय पश्चात् किसानों को दी जाने वाली स्लीप का भी निरीक्षण किया। एसडीएम हिमांशु प्रजापति, उप संचालक कृषि विजय चौरसिया भी उपस्थित थे।

किसान बोले हमें मिल रहा यूरिया

जावरा में मार्कफेड के डबल लाक केंद्र निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सूर्यवंशी द्वारा मौजूद किसानों से चर्चा की गई जो यूरिया अपने घर ले जा रहे थे। कलेक्टर से चर्चा में ग्राम अरजला के किसान रामलाल चंद्रवंशी ने बताया कि, वह 2 बोरी यूरिया ले जा रहे हैं, उनको यूरिया मिलने में कोई परेशानी नहीं हुई।

अरजला के ही विक्रम चंद्रवंशी ने बताया कि, वे 4 बोरी यूरिया, 2 बोरी डीएपी तथा 1 बोरी पोटाश खरीदकर ले जा रहे हैं, उनकी जरूरत के लिए खाद की कोई कमी नहीं है, आसानी से मिल रहा है।

कलेक्टर से चर्चा में अरजला गांव के ही किसान राकेश ने भी बताया कि, वह 3 बोरी यूरिया ले जा रहे हैं। कारुलाल ने भी 4 बोरी यूरिया खरीदकर अपने घर ले जाने की जानकारी दी।

कलेक्टर ने जावरा में खाचरोद रोड स्थित गुरु ट्रेडर्स और जावरा फर्टिलाइजर्स प्राइवेट दुकानों का भी निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध उर्वरक तथा विक्रय की व्यवस्था देखी व स्टॉक रजिस्टर चेक किया। जावरा फर्टिलाइजर्स के विक्रेता ने बताया कि, उनके द्वारा 100 बोरी यूरिया विक्रय किया गया है।

फ्लेक्स लगाएं कि, यूरिया उपलब्ध है

कलेक्टर ने सैलाना कृषि उपज मंडी परिसर में मार्केटिंग विपणन संघ के उर्वरक विक्रय केंद्र का निरीक्षण किया। इस केंद्र पर 952 बोरी यूरिया का स्टॉक था। किसान लाइन में लगकर उर्वरक प्राप्त कर रहे थे तथा कुछ देर पहले ही एक और ट्रक 50 मेट्रिक टन उर्वरक लाकर परिसर में खडा था। कलेक्टर ने केंद्र पर वितरण व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। इसके बाद इफको के उर्वरक विक्रय केंद्र निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने विक्रेता को 266 रुपए 50 पैसे प्रति बोरी यूरिया की रेट लिस्ट तथा स्टाक लिस्ट फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही फ्लेक्स पर यह भी लिखने के लिए निर्देशित किया कि यूरिया उपलब्ध है। इस दौरान उप संचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले में 38 हजार 889 मेट्रिक टन कुल उर्वरक प्राप्त हुआ है। इनमें यूरिया 17 हजार 658 मेट्रिक टन, डीएपी 10 हजार 638 मेट्रिक टन, कांप्लेक्स 10 हजार 593 मेट्रिक टन शामिल है। वितरण की स्थिति के बारे में बताया गया कि 13 हजार 919 मेट्रिक टन यूरिया किसानों को वितरित किया जा चुका है। डीएपी की वितरित मात्रा 2 हजार 103 मेट्रिक टन है तथा कांप्लेक्स 3 हजार 790 मेट्रिक टन वितरित किया गया है। अभी जिले के पास 3 हजार 739 मेट्रिक टन यूरिया, 5 हजार 307 मेट्रिक टन डीएपी, 3 हजार 452 मेट्रिक टन कांप्लेक्स उर्वरक उपलब्ध है। नवंबर की संभावित मांग 15 हजार 500 मेट्रिक टन की है। यूरिया की आवश्यकता 10 हजार मेट्रिक टन, डीएपी की आवश्यकता 3 हजार मैट्रिक टन तथा कांप्लेक्स की आवश्यकता 25 हजार 100 मेट्रिक टन संभावित है। जिले को शासन के द्वारा नियमित रूप से रेलवे रैक प्राप्त हो रहे हैं। माह नवंबर में अभी चार रेलवे रेक प्राप्त होने वाले हैं। किसानों को जितनी भी आवश्यकता होगी यूरिया सहित अन्य उर्वरक निश्चित रूप से मिलेगा। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि कृषि तथा अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर किसानों को उर्वरक विक्रय के दौरान तैनात रहें। कलेक्टर ने कृषि विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि किसानों को गांव में पहुंचकर बताएं कि पर्याप्त मात्रा में आपके लिए यूरिया तथा अन्य उर्वरक उपलब्ध हैं। किसी भी स्थिति में घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ट्रांसफार्मर में हुआ ब्लॉस्ट, बड़े आकार में गुब्बारा बनकर निकली आग

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में कालापीपल ब्लॉक के मोहम्मदपूर गांव में ट्रांसफार्मर ब्लॉस्ट हो गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इस घटना को देख गांव में लोगो की भीड़ जमा हो गई।

पहले तो उक्त ट्रांसफार्मर में मामूली आग लगी, उसके बाद भयानक ब्लॉस्ट हो गया। इधर किसानों का आरोप हैं कि ग्रामीण किसानों द्वारा गांव में एक और अन्य ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की जा रही है। जिसके चलते किसान अपने खर्च पर बिजली के पोल और अन्य सामग्री भी खरीद कर ले जाए। लेकिन आज दिनांक तक किसी अधिकारी ने इस और ध्यान नहीं दिया। जो ट्रांसफार्मर ब्लॉस्ट हुआ हैं इससे ही किसानों के मोटर पंप चलते हैं और गांव में पानी सप्लाई करने वाली पानी की टंकी का पंप चलता है। लोड अधिक होने के कारण अधिकांश समय फॉल्ट होने की समस्या आती रहती हैं। जिसके कारण ग्रामीण किसानों को समय पर बिजली भी नहीं मिल पा रही हैं।

इस समस्या को लेकर ग्रामीणों द्वारा विधायक कुणाल चौधरी, शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और विद्युत मंडल के सुपरवाइजर को भी अगवत करा दिया था, लेकिन आज दिनांक तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण ग्रामीण किसानों को ये हादसा भुगतना पड़ा हैं। इधर किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि, जल्द ही हमारी समस्या का समाधान नहीं किया तो विद्युत मंडल के खिलाफ कलापीपल कुरावर मार्ग पर चक्काजाम कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसके जिम्मेदार शाजापुर जिले के विद्युत मंडल के अधिकारी रहेंगे।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर। जिले की पिपलियामंडी पुलिस ने एक अरोपी के कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया है। मामले में पुलिस ने अरोपी के खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पिपलियामंडी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक थडोड गांव के निकट हाईवे पर किसी घटना की अंजाम देने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने फोरलेन हाईवे थडोड के निकट से सोहेल पिता साबिर नियारगर (19) निवासी बोटलगंज मंदसौर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया।आरोपी अवैध हथियार किस से लेकर आया था इसकी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में केस दर्ज किया है।

नशा मुक्ति को लेकर एसपी ने किया जनसंवाद

माही की गूंज, शुजालपुर।

नशा नाश का जड़ है सभी लोग नशे से दूरी बनाए। नशे के चलते अच्छा स्वाभिमानी व्यक्ति भी अपराधी बन जाता हैं और अपना ओर अपने परिवार का जीवन नर्क बना देता है। इसलिए सभी लोग नशे से दूरी बनाए। उक्त उदगार जगदीश डाबर शाजापुर एसपी ने जामनेर बस स्टैंड पर आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कही। उक्त कार्यक्रम थाना मंडी क्षेत्र के ग्राम जामनेर में जनसंवाद किया गया। जिसमें नशा मुक्त अभियान के तहत ग्रामीणों को नशा नही करने की समझाइश दी गई एवं ग्रामीण सुरक्षा समिति के माध्यम से किस प्रकार गांव के लोग पुलिस की सहायता कर सकते हैं, इस विषय पर संवाद किया गया।

मंगलवार शाम 5 बजे जामनेर बस स्टैंड पर शाजापुर जिला पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शुजालपुर पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम जामनेर में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शाजापुर एसपी जगदीश डाबर, एडिशनल एसपी टीएस बघेल, सिटी थाना प्रभारी प्रेमलता खत्री, जनपद सदस्य अम्बाराम मालवीय, पत्रकार अमित मालवीय, मोहन मालवीय सरपंच आदि मंचासीन रहे।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने जामनेर बस स्टैंड पर सुलभ शौचालय, कंजरों के द्वारा बाइक चोरी करने आदि का मुद्दा गर्माया तो वही ग्राम में शराब पीकर ग्राम में अराजकता का माहौल करने वालो पर कार्यवाही की मांग की है। वही एसपी श्री डाबर ने उक्त मामले में टीआई शुजालपुर को निर्देश किया। तो वही पंचायत को तुरंत बस स्टैंड पर सौचालय बनाने को कहा गया है। कार्यक्रम का संचालन सन्तोष वाघेला पुलिस थाना प्रभारी ने किया तो वही पंचायत उपसरपंच सलमान नायता ने कार्यक्रम का आभार माना। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष जयराम सिंह मालवीय, कमल पाटीदार, जगदीश मालवीय, मोहनसिंह मालवीय, दिनेश धाकड़, हिंदूसिंह, कमल मालवीय, साबिर शाह, मनोहर मिथुन, दिनेश धाकड़, बाबूलाल मालवीय आदि उपस्थित रहे।

ठगी से बचने की हिदायत देने वाले वायरल ऑडियो में ही ठगी का मामला आया सामने

माही की गूंज, मंदसौर।

सोशल मीडिया पर जारी संदेश में ऑडियो में एसपी द्वारा भेजे जाने का हवाला दिया जा रहा है। एसपी का कहना है कि, यह आवाज मेरी नहीं है। जनता को जाग्रत करने और किसी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए पुलिस ने संदेश वायरल करके सोशल मीडिया पर ऑडियो को झूठा बताया हैं। जानकारी के अनुसार वाट्सएप ग्रुपों पर कुछ दिनों से आडियो संदेश प्रसारित किया जा रहा है।

इसमें बताया, पुलिस अधीक्षक मंदसौर अनुराग सुजानिया द्वारा आडियो रिकॉर्डिंग डाली गई है। कृपया ग्रुप के सभी इन आडियो रिकॉर्डिंग को जरूर सुनें। आडियो से समझाया गया कि नए तरीके से फ्रॉड करने वाले दो युवक घूम रहे हैं। बाइक से लैपटॉप लेकर गांव में जाकर लोगों को टारगेट करते हैं। केवायसी, वृद्धावस्था अपडेट कराने के बहाने डिटेल लेकर पैसा निकाल रहे हैं। आप जागरूक कर दीजिए, लोग घूमते मिलें तो आसपास के लोगों को इकट्ठा कर पुलिस आने तक पकड़ लें। नहीं हो तो पुलिस को सूचना दें। लैपटॉप लेकर कोई जानकारी मांगने आए तो समझिए वो ठग है।

कलेक्टर के नाम पर मांगे थे रुपए

सितंबर में कलेक्टर गौतम सिंह के नाम से कुछ अधिकारियों को व्हाट्सएप पर मैसेज कर रुपयों की मांग की थी। इस पर कलेक्टर ने एसपी को पत्र लिखकर मामले में जांच कर उचित कार्रवाई को कहा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब कलेक्टर निर्वाचन को लेकर कलेक्टोरेट में अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। इस बीच आरोपी ने एक अधिकारी को रुपयों की मांग करते हुए व्हाट्सएप कॉल किया। अधिकारी ने इसकी जानकारी कलेक्टर को दी थी।

लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ने की साजिश की आशंका

ऑडियो में लोगों को युवकों को पकड़ने का कहकर भड़काने की मंशा देखते हुए आशंका हैं कि, लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ने की साजिश है। इससे पहले भी बच्चा चोर, चोटी काटने और साधुओं को लेकर जारी ऑडियो से मॉब लीचिंग की वारदात हो चुकी हैं। हालांकि जिले में अब तक गांव- गांव जाकर लैपटॉप से बताए ठगी संबंधी कोई मामला सामने नहीं आया है।

एसपी का नाम होने से पुलिस वाले भी बिना सोचे समझे करते रहे वायरल

वायरल मैसेज में एसपी का हवाला होने के कारण पुलिसकर्मी बिना सोचे समझे ऑडियो को वायरल कर रहे हैं। मंगलवार को मैसेज का खंडन होने के बाद सभी सतर्क हो गए। सोशल मीडिया पर बिना जांच पड़ताल किए लोगों ने ऑडियो को खूब वायरल किया।

आडियो में जो आवाज है वह मेरी नहीं

पूरे मामले में अनुराग सुजानिया एसपी मंदसौर ने बताया कि, ऑडियो में जो आवाज है वह मेरी नहीं है। न मैंने इस तरह का ऑडियो वायरल किया है। जनजाग्रति के लिए ऑडियो के फर्जी होने की जानकारी जरूर वायरल की हैं ताकि गलतफहमी में कोई वारदात ना हो जाए।

दशपुर में बसेगी देशी गाय की गिर नस्ल

माही की गूंज, मंदसौर।

देश की सबसे पुरानी देशी नस्ल मानी जाने वाली गिर की गायों को दशपुर की धरा पर आबाद करने की कवायद चल रही है। इसी माह के अंत तक गुजरात से 10 गिर गायों को मंदसौर जिले में लाया जाएगा। इसके लिए सीतामऊ रोड पर स्थित गुर्जरबर्डिया में लगभग 50 लाख रुपये अधिक खर्च कर भवन, बाड़े भी बनाए गए हैं।

इन गायों के साथ बैल भी लाए जाएंगे। जिनसे इनका कुनबा बढ़ेगा। यह देशी नस्ल में सबसे अधिक दूध देने वाली गाय भी है। वैसे यहां की आबोहवा भी गिर के अनुकूल मानी जा रही है क्योंकि मंदसौर जिला भी गुजरात से ज्यादा दूर नहीं हैं। राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इनका लालन-पालन चल ही रहा है।

भारत की देशी गायों में सबसे बेहतरीन मानी जाने वाली गिर गायों की नस्ल को बचाने के लिए मंदसौर जिले में गुर्जरबर्डिया के नजदीक पशुपालन विभाग द्वारा पहल की जा रही है। यहां शुद्ध गिर गाय की गौशाला खोली जाएगी। गिर की नस्ल को शुद्ध रखने के लिए नवंबर अंत तक गुजरात से फिलहाल 10 गाये लाई जाएगी। प्रयोग सफल रहा तो आगे भी गुजरात से गाय और बछड़े लाए जाएंगे। गुजरात की गिर गायों को देश की सबसे अधिक दूध देने वाली गाय माना जाता है। इस गाय की नस्ल भी संकट में है। जिसके कारण इस गाय की नस्ल को बचाने के लिए गुजरात से बाहर की आबोहवा में भी इनका लालन-पालन किया जा रहा हैं ताकि यह सबसे पुरानी नस्ल बची रहे।

नकली खाद मामले में फरार आरोपियों द्वारा कब्जाई जमीन को करवाया मुक्त

माही की गूंज, मंदसौर।

नकली खाद मामले में फरार जनपद पंचायत सदस्य पति व इसके भाई के सपानिया स्थित अवैध गोदाम पर पुलिस व प्रशासन ने कार्रवाई की। गोदाम व पक्का निर्माण सहित कुल 3 हेक्टेयर सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई, इसकी कीमत 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों फरार पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया। खाद को लेकर 3 स्थानों पर 4 प्रकरणों में 7 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हैं। 4 नवंबर को भानपुरा पुलिस ने गरोठ जनपद पंचायत सदस्य पति सपानिया स्थित रणजीत व मदनसिंह पिता करणसिंह के गोदाम से 30 टन नकली खाद पकड़ा था। इसके बाद कृषि विभाग के अधिकारियों ने पंचनामा बनाया। इसके तहत जपं सदस्य विनोदबाई पति रणजीतसिंह, इसके पति रणजीतसिंह पिता करणसिंह व देवर मदनसिंह पिता करणसिंह सभी निवासी सपानिया थाना गरोठ निवासी तथा सपानिया थाना गरोठ हालमुकाम चंदवासा थाना शामगढ़ निवासी विष्णुबाई पति रणजीतसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

जपं सदस्य पति रणजीतसिंह व इसका भाई मदनसिंह फरार हैं। मंगलवार सुबह 8 बजे पुलिस व राजस्व अधिकारियों ने 3 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसमें 3 हजार वर्गफीट के अवैध गोदाम को तोड़ा और मुर्गी पालन के स्थान को हटाया। कार्रवाई के दौरान एसडीओपी सोनू परमार के साथ राजस्व अधिकारी व पुलिस बल तैनात रहा।

आरोपी नकली खाद के मामले में प्रशासन ने 1 करोड़ कीमती अतिक्रमण हटा दिया। दोनों मुख्य आरोपी पर इनाम घोषित किया। अभी तक दोनों आरोपी गिरफ्त से फरार है। भानपुरा टीआई अवनीश श्रीवास्तव ने बताया नकली खाद के मामलें में दोनों मुख्य आरोपी रणजीतसिंह व मदनसिंह पर 10-10 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया हैं। आरोपी जल्द गिरफ्त में होंगे।

मामला उजागर होने के बाद डिगांवमाली में दुकानदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज

समाचार पत्रों की खबर व शिकायतों के आधार पर कृषि विभाग ने खाद की कालाबाजारी करने वाले दुकानदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। डिगांवमाली स्थित किसान कृषि बाजार पर खाद की कालाबाजारी की जा रही थीं। 31 अक्टूबर को भास्कर द्वारा मामला उजागर करने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे। लेकिन कार्रवाई के डर से दुकानदार ने दुकान बंद रखीं। अधिकारियों ने नगर में दो दुकानों को सील कर दिया। मंगलवार को डिगांवमाली निवासी आरोपी मनोज जैन पिता राजमल जैन (34) के खिलाफ अफजलपुर थाने में प्रकरण दर्ज किया। कृषि कल्याण विभाग उपसंचालक के अनुसार खबर व प्राप्त शिकायतों के बाद फिर 7 नवंबर को उक्त फर्म का पंचनामा बनाकर दुकानदार तथा गवाहों की उपस्थिती में दुकान को खोला गया। दल ने समस्त रिकॉर्ड एव स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रोपराईटर द्वारा बिल बुक उपलब्ध नहीं कराई तथा पंजीयन प्रमाण पत्र मे अनुमोदित स्त्रोत प्रमाण पत्र की वैधता अवधि समाप्त पाई गई।

हम नियमों का पालन करने वालों के साथ हैं

डॉ. एके बडोनिया उपसंचालक कृषि कल्याण विभाग ने बताया कि, खाद संबंधी प्राप्त शिकायतों पर तत्काल एक्शन लिया जा रहा हैं। जो भी अवैध कार्य कर रहे हैं, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। जो भी दुकानदार नियमानुसार दुकान संचालित कर रहे हैं, उन्हें किसी से भी डरने की जरूरत नहीं हैं। उनके साथ हैं, किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी।

शिवलिंग और हनुमानजी की मुर्ति हुई खंडित, हिंदू संगठन आक्रोशित

माही की गूंज, खण्डवा।

जिले में हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। मामला रामनगर स्थित शिवराज नगर मल्टी का है। यहां हनुमान मंदिर में हनुमान जी और शिवलिंग को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। सुबह जब लोग दर्शन करने पहुंचे तब इस घटना का पता चला। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के लोग भी मौके पर पहुंच गए। हिंदू संगठन ने कहा कि, अगर आरोपी को जल्द गिरफ्तार नहीं किया तो वह आंदोलन करेंगे। फिलहाल पुलिस ने इस मामले आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

खंडवा के राम नगर क्षेत्र में स्थित शिवराज नगर मल्टी में हनुमानजी की मूर्ति और शिवलिंग को किसी बदमाश ने खंडित कर दिया। इस सनसनीखेज घटना से हड़कंप मचा हुआ है। सुबह जब लोग पूजा करने मंदिर पहुंचे तो देखा कि हनुमानजी की मूर्ति और शिवलिंग के साथ किसी ने तोड़फोड़ की है। सूचना मिलते ही रामनगर चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बदमाशों की तलाश शुरू की। वही घटना को लेकर हिन्दू संगठनों ने आक्रोश जताया है।

बता दें कि, रामनगर के पास शिवराज नगर मल्टी में भगवान हनुमान जी और शंकर भगवान का मंदिर है। प्रतिदिन की तरह बुधवार को सुबह रहवासी मंदिर में पूजा करने पहुंचे थे। हिंदू संगठन बजरंग सेना के कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर मूर्तियों के खंडित फोटो वायरल कर दिये। इसके बाद मंदिर में लोगों की भीड़ लग गईं। इधर हिन्दू संगठन बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शिवराज नगर मल्टी पहुंचे।

हिंदू जागरण मंच के माधव झा ने बताया कि, हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुचाने वाले को पुलिस जल्द पकड़े। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सड़क पर उतर कर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

इधर इस मामले में रामनगर चौकी प्रभारी सुभाष नावड़े का कहना है कि, मूर्ति खंडित होने की सूचना मिली थी। पुलिस आरोपियों की तलाश में लग गई है। जल्द ही आरोपियों के बारे में पता कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

महाविद्यालय में रक्तदान व सिकल सेल एनमिया जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

माही की गूंज, च.शे.आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय भाबरा (चन्द्र शेखर आजाद नगर) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई रेड़ रिबन कल्ब के द्वारा सिकल सेल एनमिया व रक्तदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे ने की। अतिथियों के स्वागत प्रो. मानसिंह डोडवा, डॉ. रेशम बघेल, डॉ.नवनीत सांकला, प्रो. दिलीप गरवाल, प्रो.संदीप बामनिया, बीएल भूरा ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रमेय रेवडिया सह सचिव रेड क्रास सोसायटी ने अपने उदबोधन में सिकल सेल एनमिया के लक्षणों, कारणों, इलाज के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी विद्यार्थियों को सिकल सेल की जांच करने के लिए आग्रह किया।

दुसरे वक्ता कादुसिंह डुडवे संयोजक टीम रक्तदूत पश्चिम निमाड़, अलीराजपुर ने रक्तदान के महत्व को समझाया और उन्होंने युवाओं को रक्तदान करनें की अपील की महाविद्यालयीन स्टाफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. कमलेश गणावा ने किया। आभार डॉ. शुभम चौहान ने माना।

कलेक्टर को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

माही की गूंज, बड़वानी। प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 7 नवंबर को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा व नगरपालिका बड़वानी सीएमओ कुशलसिंह डोडवे को प्रशस्ति पत्र व 10 लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बताया कि, मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार में मिली 10 लाख रुपये की राशि गरीबों के आवासों के अद्योसंरचना पर व्यय की जायेगी। उन्होने उक्त पुरस्कार के लिए नगरीय प्रशासन बड़वानी की टीम को बधाई दी है।

दोषियों पर होगी कार्रवाई, परिजनों को पसंद की भूमि पर मिलेगा पीएम आवास

माही की गूंज, खरगोन। गत दिनों कसरावद तहसील के नवलपुरा में आत्महत्या करने वाले स्व. ध्यान सिंह मेहताब के परिजनों से कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी धर्मवीर मिलने पहुँचे। परिजनों से उनके साथ घटित घटना के दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि एसडीएम अग्रिम कुमार पूरे मामले की जांच कर रहे है। 10 नवम्बर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश है। रिपोर्ट प्रस्तुत होते ही जाँच में जो भी दोषी पाया जाएगा। निश्चित तौर पर कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर कुमार ने परिजनों को इसी गांव में अन्यत्र जमीन पसन्द कर पीएम आवास स्वीकृत करने की बात कही है। एसडीएम को निर्देश दिए कि गांव में किसी भी स्थान पर राजस्व विभाग की जमीन परिजनों को दिखाए। जो भी जमीन पसंद आये उन्हें वहां पीएम आवास स्वीकृत किया जाएगा। इस दौरान कलेक्टर कुमार ने राष्ट्रीय परिवार निराश्रित योजना के तहत 20 हजार रुपये का स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया। कलेक्टर कुमार परिजनों को शासन की अन्य योजनाओं से जोड़ने के भी निर्देश दिए है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, तहसीलदार रमेश सिसोदिया और जनपद सीईओ श्रीमती मीना झा भी मौजूद रही।

कैंपस एम्बेसडर और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

माही की गूंज, खरगोन। पीजी कॉलेज खरगोन में बुधवार को मतदाता साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य आरएस देवड़ा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. गणेश पाटिल ने बताया कि, अनिवार्य मतदान, वोटर लिस्ट की शुद्धता, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सफलता एवं सबलता के लिए यह आवश्यक है कि सभी निष्पक्ष होकर मतदान करें। इस विषय पर विस्तार से चर्चा कर विद्यार्थियों को मतदान के महत्व को समझाया। कैंपस एम्बेसडर सावन धनगर और रुचिका पाटीदार ने वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

प्रो. मनोज भारवे ने विद्यार्थियों से कहा कि, वे स्वयं भी वोटर कार्ड बनवाए और उसे आधार से लिंक कराए साथ ही अपने परिवार व परिचितों को भी प्रेरित करें। प्रो. सीएस चौहान ने बताया कि, शासन की मंशा इस कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के 18 वर्ष के विद्यार्थियों को मतदाता कार्ड बनवाने के लिए जागरूक करने की है। मतदाता साक्षरता कार्यक्रम में डॉ. ओएस मेहता, प्रो. अरविंद मेश्राम और एनसीसी, एनएसएस सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संदीप बिड़ला ने एवं आभार डॉ. वैशाली मोरे ने व्यक्त किया।

स्वीप गतिविधियों का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय कन्या महाविद्यालय खरगोन में बुधवार को संस्था प्रमुख डॉ. एमके गोखले की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप गतिविधियों व व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। डॉ. मनीषा चौहान ने उन छात्राओं को जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है और वोटर आईडी नहीं है उन्हें वोटर आईडी बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. पवन नामदेव ने छात्राओं को मतदान का महत्व समझाया। प्रो. प्रमोद सावनेर ने छात्राओं को वॉटर आईडी बनवाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। महाविद्यालय की छात्रा कुमारी शिफा शैख ने मतदाता जागरूकता पर भाषण दिया। मतदान के प्रति जागरूकता के लिए लघुकृत फिल्म दिखाई गई एवं पोस्टर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रासेयो प्रभारी डॉ. रफिया अजीज ने किया एवं आभार डॉ. मनीषा चौहान ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ एवं छात्राऐं उपस्थित रही।

नशा मुक्ति के लिए विद्यार्थियों को दिखाई फिल्म

माही की गूंज, बड़वानी। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी के प्राचार्य टीएल ठाकुर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय व निःशक्तजन कल्याण विभाग मंत्रालय द्वारा प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान के तहत महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के लिए ''एक चुटकी जहर'' फिल्म दिखाई गई। लघु फिल्म के माध्यम से यह दिखाया गया है, कि किस तरह से नशा हमारे पूरे समाज व परिवार को नष्ट कर देता है। हम इस नशे से किस तरह बच सकते है। नशा करने से हम और हमारे परिवार के साथ समाज पूरी तरह से खत्म हो जाता है। इसका दुष्प्रभाव परिवार, समाज, गांव व देश के युवा वर्ग पर पड़ता है। जिस युवा वर्ग की भुजाओं को देश व समाज के विकास में लगना चाहिए वह पूरी तरह से नशे के कारण नष्ट होती जा रही है। नशे की लत से समाज के अन्दर बहुत सी सामाजिक बुराइयां उत्पन्न होने लगी है। पहले तो व्यक्ति स्वयं टूटता है इसके बाद अपना परिवार, समाज और फिर देश टूट जाता है। इसके साथ ही ''नशा अभिशाप'' विषय पर महाविद्यालय के छात्रों ने निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें छात्रा प्रियांशी सेन सीएस प्रथम वर्ष प्रथम रही द्वितीय रहे नीर चैधरी सिविल तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान राज पचाहा सीएस द्वितीय वर्ष। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के साथ स्टाफ के नवल भोसले, अमरसिंह, महेन्द्र बरडे, मोहन डावर, सचिन शर्मा, संजय परमार, अनुराग जोशी, दशरथ डाबी, श्रीमती शीतल पाटीदार, राकेश, दिनेश डावर आदि उपस्थित रहे।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय नई मंडी प्रांगण भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा दीपावली मिलन समारोह रखा गया। जिसमें मिलन समारोह एवं जनजाति गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। समारोह में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, महामंत्री सोमसिंह सोलंकी, वरिष्ठ नेता श्यामा ताहेड, संजय भाबर, नगर पंचायत अध्यक्षय लक्ष्मी सुनील पणदा, उपाध्यक्ष पंकज राठौर, मंडल अध्यक्ष सेवा डामोर, गोलू उपाध्याय, सचिन प्रजापति, अंकुर पाठक, मसूल नीनामा, अर्जुन मेडा, बंटी अमलियार, यशवंत बामनिया, आरती सिसोदिया, भूमिका सोनी, जगदीश प्रजापत, कन्नू मोरिया, नरसिंह भाबर, गोलू फतरोड एवं अन्य सरपंच, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समारोह में कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ मिशन 2023 पर भी फोकस किया और एक ही बात रखी गई कि, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को जिताना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए साथ ही 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस को बड़ी धूमधाम से मनाने की योजना बनाई गई। कार्यक्रम का संचालन श्री समर्थ गोलू उपाध्याय ने आभार सुरेश बिलवाल ने किया।

खामियों को दूर करने में रुचि नहीं ले रहे नर्सिंग होम संचालक

माही की गूंज, मंदसौर।

एक माह की अवधि देने के बाद भी नर्सिंग होम संचालकों ने नॉम्स पूरे नहीं किए। कलेक्टर से खामियां दूर करने के लिए संचालक और समय मांग रहे हैं। 29 में से 23 नर्सिंग होम के लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई के बाद मंगलवार को संचालकों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर के पास पहुंचा। यहां बैठक में संचालकों ने कार्रवाई को त्वरित बताते हुए खामियां दूर करने के लिए समय मांगा। कलेक्टर ने आवेदन देने की बात कहीं।

जिले में स्वास्थ्य द्वारा अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई से नर्सिंग होम संचालकों में हडकंप हैं। स्वास्थ्य विभाग ने गठित टीम द्वारा जांच में खामियां मिलने वाले 29 नर्सिंग होम संचालकों को नोटिस दिए थे। खामियां दूर करने के लिए एक माह की अवधि का समय दिया। समय पूरा हुआ संचालकों ने खामियों को दूर करने में रुचि नहीं ली। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने 23 नर्सिंग होम के लाईसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की। संचालक स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई को जल्दबाजी बताने में लगे हैं। सोमवार को कार्रवाई के बाद प्रतिनिधिमंडल ने विधायक यशपालसिंह सिसौदिया व कलेक्टर गौतमसिंह से मुलाकात की। मंगलवार को फिर सभी संचालकों ने स्वास्थ्य अधिकारी की मौजूदगी में कलेक्टर के साथ चर्चा की।

क्यूं बड़ी हैं कार्रवाई

जिले सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में भी स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। जबलपुर, ग्वालियर व इंदौर जैसे बड़े शहरों में 200 से 250 निजी अस्पताल हैं। ऐसे में 25 से 35 अस्पतालों पर ही कार्रवाई की। जबकि मंदसौर में 29 निजी नर्सिंग होम में से 23 के लाईसेंस निरस्त कर दिए, जबकि शेष 6 पर कार्रवाई लंबित हैं।

रक्तदान एवं नेत्रध्दन्त शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं कायस्थ महासभा शुजालपुर के पूर्व अध्यक्ष स्व. राजेश सक्सेना की स्मर्ती में रक्तदान शिविर एवं नेत्रध्दन्त शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ स्कूल शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने किया, साथ ही डॉ. अभिजीत देशमुख, भाजपा मण्डल अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी खुशीराम आचार्य उपस्थित थे। इस दौरान रक्तदाताओं द्वारा 55 यूनिट रक्तदान किया गया। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के डॉ. जसवंत यादव एवं नेहा सोनी ने 105 मरीजो का नेत्र परीक्षण, डॉ. दीपांशु श्रीवास्तव ने 48 मरीजो का दन्त परीक्षण किया, स्वास्थ्य विभाग से श्रीमती जया माहेश्वरी भी उपस्थित थी।

इस दौरान जिला फुटबॉल संघ शाजापुर द्वारा स्व. राजेश सक्सेना की स्मृति में बालक एवं बालिका वर्ग के मैच का आयोजन शारदा उत्कृष्ट ग्राउंड पर किया गया। जिनके विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। कायस्थ महासभा शुजालपुर ने सभी रक्तदाताओं व शिविर में आए लोगो का आभार व्यक्त किया।

नवांकुर संस्था द्वारा पौधारोपण, श्रमदान और नशा मुक्ति पर बैठक

माही की गूंज ,झकनावद।

बुधवार को बेकल्दा में शिवकुंड धाम मंदिर प्रांगण में सेक्टर झकनावद की नवांकुर संस्था के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित हुए। जिसमे बताया गया कि, हमें शासन के निर्देशानुसार जो शासकीय योजना का प्रचार-प्रसार करना और लोगों को योजनाओं का लाभ मिले ऐसा कार्य करना है और हमें हमारे गांव का विकास ठीक प्रकार से हो उसके बारे में चर्चा की गई। बैठक में नवांकुर संस्था प्रमुख प्रवीण यादव उपस्थित हुए और बताया गया कि, हमें हमारे गांव में ही कार्य करना है तथा शासन की योजना का लोगों को सही से लाभ मिले इसके ऊपर चर्चा की गई तथा नशा मुक्त भारत बनाने के लिए हमें अपने स्वयं के घर से अपने गांव से शुरुआत करना है, इसके बारे में बताया गया। शिवकुंड धाम पर समिति के सदस्यों द्वारा पौधारोपण, श्रमदान और नशा मुक्ति पर नशा मुक्त के ऊपर चर्चा की गई बैठक में प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सचिव उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी संस्था प्रमुख प्रवीण यादव ने दी।

दो पहियां वाहन सहित कुल 1 लाख 56 हजार रूपए की अवैध मदिरा जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

नशामुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशों पर वृत्त महेश्वर, कसरावद, बड़वाह एवं सनावद के आबकारी दलों ने अवैध मदिरा आसवन एवं विक्रेताओं के विरूद्ध दो पहिया वाहन से हाथ भट्टी मदिरा परिवहन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की है। आबकारी विभाग ने दो कार्यवाही में मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क, च के तहत 10 प्रकरण दर्ज किए है। इन प्रकरणों में आबकारी विभाग ने एक दो पहिया वाहन सहित कुल 1 लाख 56 हजार रूपये मूल्य की अवैध मदिरा जप्त किया है। आबकारी विभाग के संयुक्त दल ने सोमवार को अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध महेश्वर के ग्राम बुड़की, नयापुरा माहेश्वरी नदी किनारे, फारिया, केरियाखेड़ी, सांघी, एवं समराज में कार्यवाही कर 280 लीटर हाथभट्टी मदिरा तथा करीब 6 हजार किग्रा महूआ लहान जप्त कर नष्ट किया है। वहीं सनावद वृत्त के बेड़िया रेल्वे पुल पर 26 वर्षीय कमल पिता बोन्दर द्वारा दो पहिया वाहन से 20 लीटर हाथभट्टी मदिरा व वाहन को जप्त किया है।

मतदाता सुची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निकाली गई जागरूकता रैली

माही की गूंज, खरगोन।

मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम बुधवार से प्रारंभ हो गया है। इसको लेकर मतदाता जागरूकता की रैली कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार पुराना कलेक्टर परिसर से उत्कृष्ट विद्यालय तक रैली निकाली गई। रैली को अपर कलेक्टर केके मालवीय, एसडीएम ओम नारायण सिंह, योजना अधिकारी शिक्षा विभाग चंद्र सिंह मंडलोई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का समापन राष्ट्रगान के साथ उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान पर किया गया। जहां पर अपर कलेक्टर मालवीय एवं एसडीएम सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, हम खुशनसीब हैं जो विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र राज्य भारत में रहते हैं और गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदान है। जो मतदाता 18 वर्ष के हो रहे हैं अपना नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएं तथा जिनके नाम किसी कारणवश अब तक मतदाता सूची में जुड़े नहीं है उनके भी जोड़ने का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

इस अवसर पर क्रीडा निरीक्षक हबीब बैग मिर्जा, अश्विन कोफ्ता, जबरसिंह मंडलोई, रंजन पाल प्रदीप, बडोले रूपसिंह, अनिल पांडे, पंकज बर्थडे, जोश कॉल मुकेश राठौड़ आदि खेल प्रशिक्षक रैली के दौरान मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाना हुआ आसान

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मतदाता को ऑनलाईन हेल्पलाईन एप डाउनलोड कर सूची में अपना नाम जुड़वा सकते है। वही ऑफलाईन नाम जुडवाने के लिए मतदाताओं को बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर फार्म 6 भरना होगा। 17 वर्ष या इससे अधिक आयु वाले युवा अग्रिम तौर पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर की तिथि पर 18 वर्ष होने पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए पात्र होंगे। स्पीड पोस्ट के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र घर पहुचाया जाएगा।

फार्म 8 में मतदाता कर सकेंगे ये 4 कार्य

फार्म 8 में मतदान 4 महत्वपूर्ण कार्य कर सकेंगे। इनमें मतदाना द्वारा मतदाता सूची में संशोधन, डुप्लीकेट वोटर आईडी कार्ड, दिव्यांगजन चिन्हांकित करने संबंधी प्रविष्टियों में सुधार करने के साथ पते में बदलाव में करा सकेंगे। मतदाता नाम जोड़ने, हटाने, त्रुटि सुधार के लिए आवेदन 8 दिसंबर तक कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के निराकरण की की समयावधि 26 दिसंबर हे। वहीं 5 जनवरी 2023 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठक कर सदस्य बनाए जाए- प्रभारी मंत्री सिंह

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ में नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया गया, अब उक्त स्वास्थ्य केंद्र पर बीमारों को समुचित स्वास्थ्य सेवाऐ मिलेगी। यहां जो भी कमियां है उन्हें समयानुसार पूर्ण किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू चलाने हेतु रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठकें हो तथा सदस्य बनाए जाए ताकि अधिक धनार्जन हो सके।

उक्त चर्चा 7 नवंबर को आम्बुआ में 1 करोड़ 31 लाख की लागत से निर्मित आरोग्य केंद्र (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) के बहुप्रतीक्षित उद्घाटन करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने कही। उन्होंने आगे कहा कि, प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान जो कि जोबट विधानसभा उपचुनाव में यहां आए थे तथा उन्होंने जो घोषणा की थी वह सभी पूर्ण की जा रही है। आम्बुआ में स्वास्थ्य केंद्र भवन भी उसी कड़ी में है। यहां नागरिकों की ओर से सरपंच रमेश रावत ने बीएमओ कार्यालय जो कि अलीराजपुर मुख्यालय पर संचालित किया जा रहा है, जिसको आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र पर पुनः संचालित करने की मांग पर प्रभारी मंत्री ने जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश ढोके को तत्काल निर्देशित किया कि, कार्यालय यहां संचालित करें। यहां पर अन्य कई मांगों के आवेदन सरपंचों, ग्रामीणों ने दिए। आम्बुआ में मुख्यमंत्री द्वारा मुक्तिधाम हेतु घोषित राशि नहीं मिलने से अधूरा पड़े कार्य को शीघ्र पूरा करने हेतु राशि उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। आयुष्मान कार्ड अधिक से अधिक बनाए जाए तथा शासन की 33 योजनाएं पात्र व्यक्तियों को मिलें ऐसी व्यवस्था हो।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक माधौसिंह डावर ने संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा प्रभारी मंत्री से अति शीघ्र समस्याओं के निराकरण की अपील की। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुलोचना रावत ने अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री को विधानसभा क्षेत्र तथा आम्बुआ क्षेत्र की समस्याएं बताई। साथ हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी तथा सतत् विकास कराते रहने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता नागरसिंह चौहान, जिलाधीश राघवेंद्र सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनोज सिंह, जिला पंचायत सीओ इंदरसिंह डावर, विशाल रावत, मुकामसिंह डावर, मांगीलाल चौहान, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, मंडल अध्यक्ष जुवानसिंह रावत, महामंत्री गुरुवतं पटेल (बबलू) लोकेंद्र सिंह राठौर, भरत माहेश्वरी, नीलेश राठौड़, यश राठौड़ ,उपसरपंच थानसिंह भयडिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पूर्व आए अतिथियों का जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश ढोके, डॉ. हितेश मशीह, सरपंच रमेश रावत, डॉ. देवड़ा, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, साजिद शेख, हुसैन बोहरा तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने स्वागत किया। आभार जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रकाश ढोके ने किया।

इसके बाद प्रभारी मंत्री द्वारा 6 करोड़ 72 लाख के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री तथा अलीराजपुर जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव द्वारा 7 नवंबर को ही आम्बुआ में हाई सेकेंडरी शाला भवन लागत 3 करोड़ 33 लाख 94 हजार तथा बालक छात्रावास भवन लागत 3 करोड़ 33 लाख 31 हजार से बनने वाले भवनों का विधि विधान के साथ भूमि पूजन किया। शिक्षण संस्थाओं में अतिथियों का परंपरागत लोक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। यहां पर प्रभारी मंत्री श्री दत्तीगांव ने संस्था द्वारा प्रस्तुत विभिन्न मांगों को अति शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

प्रभारी मंत्री को ज्ञापन देने की लगी होड़

आखिर क्या है इतने आवेदन आने का कारण...?

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में 7 नवंबर को प्रवास पर आए म.प्र शासन के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन तथा अलीराजपुर जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव का कस्बा आम्बुआ सहित जोबट विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों ने अपनी व्यथा-कथा आवेदन पत्रों के माध्यम से सुनाई। इतने अधिक आवेदन शिकायतें मांगे आदि आने का क्या कारण हो सकता है...? यह विचारणीय है। प्रदेश शासन की विभिन्न योजनाएं जो कि जन हितेषी है का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है...? क्या उनके कार्य, मांगे आदि पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है...? आदि पर गहन चिंतन करना जरूरी माना जा सकता है... !

आम्बुआ कस्बे में नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण तथा शिक्षण संस्था भवन, छात्रावास भवन के आधार शिला पूजन पर पधारे प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव तथा क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुलोचना रावत के समक्ष कार्यक्रम के मध्य आम्बुआ ग्राम पंचायत के सरपंच रमेश रावत ने स्वास्थ्य केंद्र पर बीएमओ कार्यालय पुनः प्रारंभ करने की मांग के साथ ही भीलवट बाबा स्थल पर मुख्यमंत्री द्वारा निर्माण की घोषणा के बाद भी कार्य नहीं होने तथा मुक्तिधाम समिति द्वारा मुख्यमंत्री द्वारा निर्माण की घोषणा के बाद निर्माण कार्य अधूरा रहने भुगतान नहीं होने के आवेदन दिया। साथ ही व्यामशाला, खेल मैदान, शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल में फर्नीचर, बाउंड्री वॉल, विषयवार शिक्षकों की व्यवस्था की मांग के साथ ही इंदिरा आवास में विद्युत व्यवस्था हेतु डीपी की मांग के साथ ही शंकर मंदिर प्रांगण में स्थित अंबे माता मंदिर प्रांगण में टीन शेड लगाने, बोहरा मस्जिद क्षेत्र में निर्माण कार्य की स्वीकृति तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आए सरपंच, पंच ग्रामीणों ने आवास कुटीर, खरंजा, हेडपंप, बिजली डी.पी, खाद्यान्न वितरण, आंगनवाड़ी भवन, खरंजा आदि अनेक समस्याओं की पूर्ति हेतु आवेदन, ज्ञापन, मांग पत्र आदि प्रभारी मंत्री को दिए गए।

सैकड़ों की संख्या में आखिर आवेदन क्यों दिए गए, तो कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उनकी मांगे तथा शिकायतों पर प्रशासन स्तर पर जल्दी सुनवाई नहीं होती है। साथ ही क्षेत्रीय नेता सांसद विधायक आदि हर समय तो मिल नहीं सकते हैं उनका अपना विस्तृत कार्यक्षेत्र होता है। इस कारण उन्होंने यह सोच रखा था कि जब भी कोई बड़ा नेता मंत्री आदि का कार्यक्रम हो तो आवेदन दिए जाएं, ताकि तत्काल उनका निराकरण हो सके। चूंकि प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह की कार्यप्रणाली बहुत ही अच्छी मानी जाती है, वह स्वाभाविक रूप से आम नागरिकों से जुड़ जाते हैं। उनकी सहजता सरलता तथा कार्यशैली ऐसी है कि वे ÷टालने÷ की नीति के खिलाफ है। शिकायतें समस्याओं पर तत्काल निर्णय कराना एक ऐसी प्रकृति है, जिसके सब ÷कायल÷ है। जब वह कांग्रेस में थे तब भी और अब जब वे भाजपा में है तब भी वे अपनी स्वाभाविक और चिर परिचित मुस्कान के साथ आम नागरिकों के बीच आम नेता बन जाते हैं। यही कारण है कि, लोग उन्हें अपनी समस्याएं बताने में हिचक महसूस नहीं करते हैं। आम्बुआ में भी उन्होंने अपनी चिरपरिचित शैली में कई ज्ञापनों पर तत्काल निराकरण कराया शेष का निराकरण भी शीघ्र कराने का आश्वासन दिया लोगों को विश्वास है कि उनका निदान भी शीघ्र होगा।

दुष्कर्म के आरोपी को मिला आजीवन कारावास एवं 30 हजार रुपए अर्थदण्ड

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस थाना बखतगढ क्षैत्रान्तर्गत ग्राम जामली के फरियादी तडवी पिता धमरसिंह ने थाना आकर सूचना पर बताया कि, 11 सितंबर 2021 को उसके काका की नाबालिग लडकी जो कि ग्राम जामली व रोसिया गांव की सीमा पर गांववालों ने गणेशजी स्थापित किए थे, वहां गणेश देखनें गई थी, जो सुबह तक घर वापिस नही आई। जिसे आसपास के गांव/फलिये एवं रिश्तेदारों मे तलाश करने पर कहीं कोई पता नही चल पाया। तलाशी के दौरान पता चला कि ग्राम धोरट का सादेश पिता वाहिदा भी अपने घर पर नहीं है। जिस पर सादेश के द्वारा फरियादी की नाबालिग बहन को बहला फुसलाकर कहीं ले जानें की घटना पर थाना बखतगढ में आरोपी सादेश के विरूद्ध अपराध क्रमांक 125/2021 धारा 363, 366, 376(2)(द) भादवि 3, 4, 5, 6(स) पोक्सो एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। बखतगढ पुलिस के द्वारा घटना को संवेदनशीलता एवं गंभीरता से लेते हुये घटना के आरोपी सादेश पिता वाहिदा, निवासी ग्राम धोरट को 7 दिवस के भीतर गिरफतार कर जेल भेजा गया। जिसके पश्चात प्रकरण में सूपर्ण अनुसंधान कर 15 दिवस के भीतर माननीय न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था।

उक्त प्रकरण को अलीराजपुर पुलिस के द्वारा चिन्हित श्रेणी में भी लिया गया था तथा घटना के आरोपी की सजायाबी सुनिश्चित कराये जाने हेतु प्रकरण का न्यायालय मे विचारण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर को लगातार प्रकरण के पर्यवेक्षण हेतु निर्देशित किया गया था। जिस पर प्रकरण मे न्यायालय में लगातार पेरवी हुई व परिणामस्वरूप अपर सत्र न्यायालय द्वितीय अलीराजपुर के द्वारा 7 नवम्बर को आरोपी सादेश पिता वाहिदा निवासी ग्राम धोरट को आजीवन कारावास एवं 30 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का आदेश पारित किया। उक्त प्रकरण का अनुसंधान तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक अनसिंह भाबर के निर्देशन में तत्कालीन अनुसंधान अधिकारी उप निरीक्षक शंकरसिंह जमरा वर्तमान मे तैनात थाना जोबट के द्वारा किया गया था।

कन्या शिक्षा परिसर में छात्रावास सप्ताह के समापन पर विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

माही की गूंज, रतलाम।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रतलाम में छात्रावास सप्ताह के अंतर्गत हुई गतिविधियों के उपरांत विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि ग्राम बिबडौद के सरपंच अंबाराम मईड़ा थे। अध्यक्षता जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती पारुल जैन ने की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने से उनके जीवन में आगे बढ़ने का हौंसला मिलता है।

सरपंच मईड़ा ने विद्यार्थियों को इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी। संस्था प्राचार्य गणतंत्र मेहता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि, संस्था में विगत 7 दिवस के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों एवं साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के 350 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विद्यालय परिवार की शिक्षिक वर्मा, मनीषा खराड़ी, अधीक्षक श्रीमती सीमा कनेरिया, श्रीमती सुनीता हारी द्वारा किया गया। संचालन आशीष दशोत्तर ने किया। आभार विरेन्द्र सिंह राठौर ने माना।

पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ स्थापना दिवस का समापन कार्यक्रम

माही की गूंज, धार।

एक से 7 नबंवर तक मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सप्ताह मनाया गया। इस दौरान जिलेभर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। मध्यप्रदेश स्थापना सप्ताह के अंतिम दिवस पर सोमवार को पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित समापन कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एनजीओ को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल , विधायक श्रीमती नीना वर्मा, उपाध्यक्ष नगर पालिका कालीचरण सोनवानिया, सीईओ जिला पंचायत केएल मीणा सहित आम नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती वर्मा ने कहा कि, मध्य प्रदेश स्थापना दिवस सप्ताह में जिले में बहुत सी गतिविधियॉ आयोजित की गई। जिसमें बच्चों तथा अधिकारियों, कर्मचारियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि, शिक्षा के बिना विकास कार्य रूक जाते है। जिले में शिक्षा को बेहतर करने के लिए बहुत से कार्य किए जा रहे है। बच्चों को शिक्षा के लिए समूचित आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। यहॉ पर कृषि कॉलेज लाने के लिए हम लगातार प्रयासरत है। जिससे यहॉ पर कृषि में नवाचार कर कृषको को नई तकनीको को अपनाने का अवसर मिलेगा और वे अधिक सक्षम बन सकेगे। मुख्यमंत्री रोजगार के अवसर दिलवाने में कोई कसर नहीं रख रहे है। उनकी मंशा है कि, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवा दुसरों को रोजगार उपलब्ध करवाने वाले बने। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसमें भोज कन्या विद्यालय, ब्रम्हाकुंडी विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, आवासीय विद्यालय की बालिका ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट को देखा और सुना गया।

सायबर टीम ने खोजे 45 गुम हुए मोबाइल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिलेभर से बढे स्तर पर मोबाईल गुम होनें संबंधी आवेदन पत्र जिले के विभिन्न पुलिस थानों व चौकियों पर प्राप्त हो रहे थे। प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए सॉयबर पुलिस टीम को गुम मोबाईलों को खोजनें हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशानुसार अलीराजपुर सॉयबर पुलिस टीम के द्वारा आवेदको के गुमें हुए मोबाईलों को ट्रेस करने हेतु ÷ऑपरेशन हेलो-2÷ अभियान की शुरूआत की गई थी। जिसमें पूर्व में 190 से भी ज्यादा मोबाईल ट्रेस किए जाकर आवेदकों को सूपूर्द किए गए थे। इसी के अगले क्रम में मोबाइल गुमने संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के निर्देशन में साइबर सेल की टीम द्वारा ÷ऑपरेशन हेलो-2÷ के तहत गुमे हुए मोबाइलों को सर्च कर उनका पता लगाकर कुल 45 मोबाइल विभिन्न कंपनियों के बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 5 लाख 11 हजार 351 रुपए है। उक्त मोबाईल आवेदकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बुलाकर उन्हें उनके गुम मोबाइल पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह के द्वारा प्रदान किए गए। मोबाईल प्राप्त आवेदकों के द्वारा इस संबंध में खुशी जाहिर करते हुए अलीराजपुर पुलिस की ऑपरेशन हेलो योजना को पुलिस की अच्छी पहल बताया, जिसका उनके द्वारा स्वागत किया गया।

''ऑपरेशन हेलो-2'' के तहत मोबाईल खोजने का कार्य एसडीओपी अलीराजपुर सुश्री श्रद्धा सोनकर के पर्यवेक्षण मे सॉयबर पुलिस टीम के प्रआर दिलीप चौहान, आर विशाल धारवार एवं आर प्रमोद भयडीया के द्वारा किया गया।

अंतरराज्यीय बॉर्डर मीटिंग का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। पुलिस अधीक्षक आलीराजपुर मनोज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक जिला दाहोद गुजरात बलराम मीणा के निर्देशन में आगामी 5 दिसम्बर को गुजरात विधानसभा चुनाव को दृष्टीगत रखते हुये अंतर राज्य बॉर्डर मीटिंग का आयोजन सर्किट हाउस आजादनगर में किया गया। आयोजित बॉर्डर मीटिंग में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दाहोद जगदीश, प्रशिक्षु भापुसे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट नीरज नामदेव, गरबाड़ा थाना प्रभारी जेएल पटेल, थाना प्रभारी चंद्रशेखर आजाद नगर एसआर जमरा, चौकी प्रभारी बरझर उनि जयराम वसुनिया, चौकी प्रभारी सउनि दिलीप माली उपस्थित रहे।

आयोजित बॉर्डर मीटिंग में सीमावर्ती ग्रामों में निवासरत असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना। सीमावर्ती ग्रामों में अवैध शराब, अवैध हथियार व अन्य गतिविधियों में लिप्त बदमाशों पर निगरानी रखना तथा उन पर कार्यवाही करना। सीमावर्ती चैक पोस्टों पर लगातार वाहनों की चैकिंग सघनता से करना। सीमावर्ती ग्रामों के गुण्डा तत्वों पर लगातार निगाह रखी जाकर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करना। फरार आरोपियों एवं वारण्टों की तामीली हेतु समन्वय स्थापित कर सूची का आदान प्रदान करना। अलीराजपुर जिला एवं गुजरात राज्य के सीमावर्ती थानों की पुलिस के मध्य समन्वय स्थापित कर संयुक्तरूप से दबिश की कार्यवाही करना। आवश्यक सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान करना। सीमावर्ती ग्रामों के लायसेंसीदारानों पर लगातार निगरानी रखना। सीमावर्ती ग्रामों में नियमितरूप से पेटोलिंग की कार्यवाही करना। सीमावर्ती थाना प्रभारियों/चौकी प्रभारियों का संयुक?त वॉटसएप ग्रुप बनाना। आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, सीमावर्ती ग्रामों के माध्यम से असामाजिक गतिविधियों पर निगाह रखनें एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही करनें के उदेश्य से जिला दाहोद के सीमावर्ती थाना प्रभारियों के साथ थाना आजादनगर में संयुक्तरूप से बॉर्डर मीटिंग का आयोजन रखा गया था। बॉर्डर मीटिंग में महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा होकर सहमति बनी है। गुजरात राज्य में होनें वाले विधानसभा चुनाव को लेकर यह महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय बॉर्डर मीटिंग रखी गई थी, ताकि सीमावर्ती राज्य के जिलो में होनें वाले चुनाव निर्विघ्न व शांतिपूर्वक सम्पन्न कराये जा सके।

गूंज असर

हरिजन आवास फलिया में नाली निर्माण प्रारंभ

बहुत समय से यहां के निवासी कर रहे थे मांग

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ पंचायत क्षेत्र के हरिजन आवास फलिया में बहु प्रतीक्षित नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ होने से निवासियों को अब कीचड़ तथा गंदा पानी से निजात मिलने की उम्मीद है। इस कार्य का भूमि पूजन विधान सभा उप चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती सुलोचना रावत द्वारा किया गया था। स्वीकृत कार्य 15 वे वित्त मद से हो रहा है।

गूंज संवाददाता को मिली जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 में विगत वर्षों से नाली निर्माण की मांग की जा रही थी। तत्कालीन पंचायत प्रशासन द्वारा 15वे वित्त मद से यह कार्य स्वीकृत कराकर जोबट विधानसभा उपचुनाव के बाद क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुलोचना रावत से भूमि पूजन कराया। इसके बाद यह कार्य प्रारंभ नहीं किया गया। महीनों तक वार्ड 8 के निवासी निर्माण होने का इंतजार करते रहे इसी बीच ग्राम पंचायत के चुनाव आ गए इस कारण आचार संहिता के चलते कार्य नहीं हो सका।

पंचायत चुनाव के बाद नवनिर्वाचित सरपंच ने जब कार्यभार संभाला तथा प्रथम ग्राम सभा एवं पंचायत की मासिक बैठक में यह मुद्दा उठाया गया। तब पंचायत द्वारा इसे प्राथमिकता में लेते हुए विगत दिनों कार्य प्रारंभ किया गया। जेसीबी मशीन के माध्यम से 2 फीट गहरी तथा 52 मीटर लंबी नाली खोदी जा कर इसका निर्माण कार्य पंचायत के माध्यम से कराया जा रहा है। नाली की कुल लागत लगभग 2 लाख 59 हजार बताई जा रही है। इस नाली निर्माण के बाद वार्ड क्रमांक 8 तथा आसपास के रहवासी क्षेत्र का गदा पानी बाहर निकल सकेगा। जिससे नागरिकों को कीचड़ तथा गंदे पानी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

स्मरण रहे कि, पिछले महीने माही की गूंज ने इस समस्या का सविस्तार समाचार प्रकाशित कर स्थानीय पंचायत प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। जिसके बाद त्वरित ध्यान देते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाने पर नागरिकों ने माही की गूंज का आभार माना है।

ग्राम पंचायत आम्बुआ सरपंच रमेश रावत ने बताया कि, वार्ड क्रमांक 8 के रहवासियों की लंबे समय से नाली निर्माण की मांग थी। जिसे देखते हुए यहां निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। जिससे यहां के निवासियों को गन्दे पानी तथा कीचड़ से मुक्ति मिलेगी।

हरिजन आवास एवं इंदिरा आवास में नाली निर्माण की जरूरत

माही की गूंज, आम्बुआ।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

विषम परिस्थितियों में प्रारंभ होकर गूंज ने गढ़े नये आयाम - श्री पंवार

दीपावली मिलन समारोह में एकत्र हुआ माही की गूंज परिवार

गूंज सहयोगी व संवाददाताओं का हुआ सम्मान, माइक आईडी का हुआ विमोचन

अतिथी जगराम विश्वकर्मा व हरिशंकर पवार का स्वागत टीम के सदस्यों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों ने गूंज टीम को सम्बोधित कर अपना मार्गदर्शन दिया।

गूंज परिवार की ओर से अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

माही की गूंज, झाबुआ।

समाचार पत्र का प्रकाशन आज के दौर में बहुत ही मुश्किल कार्य है। समाचार पत्र हम लोग जिसे प्रतिदिन पढ़ते है, असल में उसकी लागत उसके मूल्य से तीन गुना से ज्यादा होती है। पत्रकारिता के लंबे समय में मैने बड़े-बड़े समाचार पत्रों को बिकते, बंद होते देखा है। कई ऐसे समाचार पत्रों के लिये भी मन व्यथित हुआ, जिनके पाठको की फेहरिस्त बहुत लंबी थी तथा मैं उन्ही पाठको में से एक था और प्रतिदिन समाचार पत्र का अलसुबह से इंतजार किया करता था। महंगाई के इस दौर में जहां अच्छे-अच्छे समाचार पत्र प्रभावित हुए, बंद हुए, बिके तो इसके विपरित जिले की पत्रकारिता में एक और रोशनी ‘‘माही की गूंज’’ के रूप में उभरी। विपरित समय में अचानक ‘‘माही की गूंज’’ प्रकाशन समारोह का निमंत्रण मिला तो मन अचंभित था। चूंकि गूंज की टीम जो काफी अनुभवी भी थी जिसके चलते भरोसा तो था किंतु ह्रदय में एक कसक, एक संदेह अखबार के भविष्य को लेकर निकलने का नाम नही ले रहा है। मुझे अच्छी तरह याद है कि, उस दौर में समाचार पत्रों पर महंगाई का प्रभाव खासा रहा तो, ‘‘माही की गूंज’’ प्रकाशन समारोह की तिथि आचार संहिता के दौरान होना भी किसी आश्चर्य से कम नहीं था। कई पत्रकारों से इस विषय पर चर्चा भी की और सभी ने विपरित समय के मेरे विचार से सहमति भी जताई, बावजूद इसके एक सकारात्मक विचार ‘‘माही की गूंज’’ टीम को लेकर यह था कि, टीम काफी अनुभवी, निष्पक्ष और सक्रीयता के साथ मेहनती है। यही कारण रहा कि, प्रकाशन समारोह में जाने से स्वयं को रोक नहीं सका और अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर ‘‘माही की गूंज’’ टीम की उत्साहित संपादकीय समिति को प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की थी। उक्त उद्बोधन ‘‘माही की गूंज’’ प्रकाशन के सफलतम 4 वर्ष पूर्ण होने एवं परिवार के दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर आयोजित समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित अंचल के वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पंवार ने दिया। आपने उपस्थित परिवारजनों को बताया कि, पत्रकारिता एवं समाचार पत्र का प्रकाशन करना ‘‘लोहे के चने चबाने’’ जैसा है। निष्पक्ष पत्रकार को पत्रकारिता जीवन के हर मोड़ पर एक नई परेशानी का सामना करना पड़ता है तो समाचार पत्र का प्रकाशन आज के इस दौर में हर किसी के बस की बात नहीं है।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं पत्रकारिता के भीष्म पितामह स्व. श्री यशवंत जी घोड़ावत के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अलिराजपुर जिले के आम्बुआ से पधारे वरिष्ठ पत्रकार एंव आयोजन के मुख्य अतिथी जगराम विश्वकर्मा ने भी उपस्थिजनों को संबोधित कर पूर्वकालीन कठिन पत्रकारिता का बखान किया। आपने बताया कि, अलिराजपुर जिला अलग होने के पूर्व स्व. श्री घोड़ावत के सानिध्य में छोटी सी जगह आम्बुआ में सक्रीय पत्रकारिता की थी। अलिराजपुर जिला अलग होने के बाद घोड़ावत जी से मिलना भी कम हो गया था। ‘‘माही की गूंज’’ प्रकाशन के कुछ ही समय पश्चात सम्मानीय श्री घोड़ावत के साथ लंबे समय से पत्रकारिता कर रहे ‘‘माही की गूंज’’ समाचार पत्र के प्रधान सम्पादक संजय भटेवरा से संपर्क हुआ तथा श्री भटेवरा ने घोड़ावत दादा की प्रेरणा से प्रारंभ किये गये समाचार पत्र के बारे में जानकारी दी तो स्वयं को ‘‘माही की गूंज’’ के साथ जोड़ने से नही रोक सका। ‘‘माही की गूंज’’ ने निष्चित ही हमारी पूरानी यादें ताजा की है तथा लगातार समाचारो के जरिये चर्चित बने रहकर सफलतम 4 वर्ष पूर्ण किये है। मैं संपादकीय समिति को भविष्य के लिये शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

माही की गूंज टीम ने प्रधान संपादक संजय भटेवरा को मोमेन्टो भेंट कर किया सम्मान।

डिजिटल प्लेटफार्म के साथ साप्ताहिक से दैनिक प्रकाशन का है लक्ष्य-श्री भटेवरा

कार्यक्रम में उपस्थित समाचार पत्र के प्रधान संपादक संजय भटेवरा ने उपस्थित परिवारजनों को संबोधित करते हुए कहा कि, आदरणीय घोड़ावत दादा अपने अंतिम समय में जिले से एक समाचार पत्र का प्रकाशन करने हेतु सतत् प्रयासरत थे, किंतु समय को शायद यह मंजूर नहीं था। मेरे गुरू, पत्रकारिता के भीष्मपितामाह स्व. श्री घोड़ावत दादा की प्रेरणा से ‘‘माही की गूंज’’ ने प्रारंभ होकर सफलतम रूप से 4 वर्ष पुरी टीम की मेहनत के साथ पूर्ण कर लिये है। आप सभी के सहयोग से हमने ‘‘माही की गूंज’’ को डिजीटल प्लेटफॉर्म भी दिया है तथा आज से ‘‘माही की गूंज’’ डिजीटल प्लेटफॉर्म के रूप यू-ट्युब चैनल का भी संचालन निरंतर करता रहेगा। हमारा लक्ष्य समाचार पत्र के दैनिक प्रकाशन का है, जिसकी कार्ययोजना पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में हम ‘‘माही की गूंज’’ को दैनिक समाचार पत्र के रूप में प्रकाशित करेंगे। मैं समाचार पत्र के निरंतर प्रकाशन तथा परिवारजनों की समाचार पत्र को लेकर होने वाली समस्या का समाधान करने हेतु संकल्पित हूं तथा परिवारजनों से सक्रीयता की अपेक्षा भी करता हूं। समाचार प्रकाशन निश्चित रूप से किसी एक के बस की बात नहीं है। यह पूरे परिवार की मेहनत का नतीजा है कि, हम अब 5वें वर्ष में प्रवेश कर चुके है।

कार्यक्रम में ‘‘माही की गूंज’’ के सदस्य राकेश गेहलोत ने भी अपने विचार रखते हुए समाचार पत्र प्रकाशन में होने वाली परदे के पीछे की कठिनाईयों पर प्रकाश डाला तथा परिवारजनों से लगातार सहयोग की अपेक्षा की।

‘‘माही की गूंज’’ के सफलतम चार वर्ष पुर्ण होने पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथीयो एंव ‘‘माही की गूंज’’ परिवार ने ‘‘माही की गूंज’’ की माईक आईडी का विमोचन किया। कार्यक्रम के अंत में समस्त परिवारजनों द्वारा प्रधान संपादक तथा अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेटकर सम्मान किया। वही संपादकीय समिति की ओर से सभी संवाददाताओं एंव सहयोगी टीम को सम्मान स्वरूप मोमेन्टो भेंट कर उज्जवल पत्रकारिता जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम का संचालन ‘‘माही की गूंज’’ के सपांदक धर्मेन्द्र पांचाल ने किया। कार्यक्रम में भुपेन्द्र जैन, आनंदसिंह सौंलकी, कृष्णपाल ठाकुर, संजय उपाध्याय, नरेश पांचल, मुज्जमील मंसुरी, मुद्दसिर मंसुरी, गौरव भण्डारी, मुकेश भट्ट, फिरोज पठान, नारायण पालरा, अरूण पाटीदार, निसार पठान, जितेन्द्र पाल, उमेश पाटीदार, ऋषभ गुप्ता, चंदन भटेवरा, जितेन्द्र राठौर, गजेन्द्र चौहान, सुनिल सौलंकी, हरिश भटेवरा, जितेन्द्र पाटीदार, उमेश मालवीय, पवन पाटीदार, संजय वाणी, सिकंदर चाचा आदि उपस्थित थे। अंत में सहभोज एवं मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

-------------- माही की गूंज परिवार व सहयोगी टीम का सम्मान --------------

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422